▪ फाल्गुन कृष्णा - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 208 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 23-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ग्लोबल वार्मिंग' पर्यावरण प्रदूषण की चेतावनी : योगी आदित्यनाथ

6 सामान्य लोग, असामान्य बातें !

7 ऐसा नहीं है कि फिल्म उद्योग में सब कुछ निष्पक्ष है : तापसी पन्नू

फर्स्ट टेक

होली को 'छपरियों' का त्योहार कहने पर फराह खान के खिलाफ शिकायत दर्ज

मुंबई/भाषा। होली को कथित तौर पर 'छपरियों' (असभ्य लोगों) का त्योहार कहने के लिए फिल्म निर्माता फराह खान के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर विकास जयराम पाठक (45) उर्फ हिंदुस्तानी भाऊ द्वारा शुक्रवार को दी गई शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। शिकायतकर्ता ने खान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार को एक टेलीविजन शो में उनके (फराह खान) द्वारा की गई छपरी टिप्पणी ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अनादर किया है।

केंद्र के प्रयासों से सहकारी क्षेत्र को गति मिली : शाह

पुणे। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि केंद्र के प्रयासों से पिछले तीन वर्षों में सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा मिला है। पुणे में जनता सहकारी बैंक के हीरक जयंती समारोह के समापन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि केंद्र की (नरेन्द्र) मोदी सरकार ने भारत के सहकारी क्षेत्र को बाजार योग्य बना दिया है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री ने पुणे में पश्चिम क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक की अध्यक्षता की। शाह ने कहा, पिछले तीन वर्षों में केंद्र ने देश में सहकारी आंदोलन को गति देने का काम किया है। हमने भारत के सहकारी क्षेत्र के मॉडल को बाजार में लाने लायक बनाया है। हम सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक लाकर सहकारी शिक्षा को सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने सहकारी क्षेत्र को एक दिशा दी है और सहकारी क्षेत्र में नवाचार की शुरुआत को रेखांकित किया है।

रेखा गुप्ता ने मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। यह पदभार संभालने के बाद उनकी प्रधानमंत्री के साथ पहली औपचारिक मुलाकात थी। शालीमार बाग सीट से भारतीय जनता पार्टी की विधायक गुप्ता ने बृहस्पतिवार को मोदी की मौजूदगी में रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में दिल्ली के 9वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व में भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार जन कल्याण और सुशासन के मार्ग पर चलते हुए दिल्लीवासियों के विकसित दिल्ली के सपने को साकार करने के लिए समर्पित है।

भारत एआई को अपनाने में अग्रणी है : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारत सिर्फ एआई के साथ प्रयोग नहीं कर रहा है। हम सिर्फ एआई के बारे में बात नहीं कर रहे हैं या इस पर शोध नहीं कर रहे हैं। हम वास्तव में इसे बड़े पैमाने पर और विभिन्न क्षेत्रों में लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने भी इस बात को स्वीकार किया है।

कोट्टायम। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत न केवल कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने में अग्रणी है, बल्कि एआई को नियंत्रित करने के तरीके को भी आकार दे रहा है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) कोट्टायम के छठे दीक्षांत समारोह में सीतारमण ने कहा कि भारत न केवल एआई के लिए तैयार है, बल्कि देश में एआई-संचालित समाधानों की मांग भी अधिक है।

उन्होंने कहा कि यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि देश में 2024 में तीन अरब एआई-संबंधित ऐप डाउनलोड दर्ज किए गए जबकि अमेरिका और चीन में क्रमशः केवल 1.5 अरब और 1.3 अरब डाउनलोड किये गये थे। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि हाल में पेरिस में आयोजित 'एआई एक्शन शिखर सम्मेलन' में भारत को सह-अध्यक्ष बनाया जाना इस क्षेत्र में देश की वैश्विक स्थिति को मान्यता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया था कि एआई सिर्फ राष्ट्रीय महत्व का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, उन्होंने (मोदी ने) जो कहा, उससे हमें बहुत बड़ा संदेश मिलता है - एआई का इस्तेमाल करें, लेकिन जिम्मेदारी से करें। इसका दुरुपयोग न करें, इसका अनैतिक उपयोग न करें। उन्होंने कहा, इसलिए, हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि एआई नैतिक, समावेशी और भरोसेमंद हो।

सीतारमण ने एआई के क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को भी रेखांकित किया, जिसकी शुरुआत 'भारत एआई मिशन' से हुई थी। उन्होंने कहा, भारत सिर्फ एआई के साथ प्रयोग नहीं कर रहा है। हम सिर्फ एआई के बारे में बात नहीं कर रहे हैं या इस पर शोध नहीं कर रहे हैं। हम वास्तव में इसे बड़े पैमाने पर और विभिन्न क्षेत्रों में लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने भी इस बात को स्वीकार किया है। अपने भाषण के दौरान सीतारमण ने नवाचार और पेटेंटिंग के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंकिंग 2015 के 81वें स्थान से सुधरकर 2024 तक 133 देशों में से 39वें स्थान पर आ जाएगी। उन्होंने कहा कि ये सभी उपलब्धियां दर्शाती हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा इसके प्रदर्शन में और सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हम अधिक नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।

विमान में 'टूटी' सीट को लेकर शिवराज ने की एअर इंडिया की आलोचना

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को एअर इंडिया की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें 'टूटी और धंसी हुई' सीट आवंटित की गई। शिवराज ने साथ ही कहा कि यात्रियों से पूरा पैसा वसूलने के बाद एअरलाइन का उन्हें खराब और कष्टदायक सीट पर बैठाना अनैतिक है। चौहान द्वारा 'एक्स' पर अपना अनुभव साझा करने के बाद एअर इंडिया ने 'असुविधा' के लिए माफी मांगी है।

चौहान ने कहा कि वह पूसा किसान मेले का उद्घाटन करने, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक में भाग लेने और चंडीगढ़ में किसान संगठन के प्रतिनिधियों से चर्चा करने के लिए भोपाल से दिल्ली जा रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह भोपाल से दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान एआई436 में सवार हुए थे। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, ''मुझे सीट क्रमांक 8सी आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना तकलीफदायक था। जब मैंने विमानकर्मियों से पूछा कि खराब सीट थी तो आवंटित क्यों की? उन्होंने बताया कि प्रबंधन को पहले सूचित कर दिया था कि ये सीट ठीक नहीं है, इसका टिकट नहीं बेचना चाहिए।

महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 60 करोड़ के पार पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को दावा किया कि प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में अब तक 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई है। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को शाम चार बजे तक कुल 1.11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई जबकि 13 जनवरी से अभी तक कुल 60.42 करोड़ श्रद्धालु गंगा और संगम में स्नान कर चुके हैं। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में कुल 120 करोड़ सनातनी हैं। इस लिहाज से महाकुंभ में दुनिया के आधे से अधिक सनातनी गंगा और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुके हैं। शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व 26 फरवरी तक यह संख्या 65 करोड़ से भी ऊपर पहुंच सकती है। महाकुंभ में 73 देशों के राजनयिक और भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक समेत तमाम देशों के अतिथि यहां अमृत स्नान करने पहुंचे। यही नहीं, नेपाल से 50 लाख से अधिक लोग अब तक त्रिवेणी के पवित्र जल में स्नान कर चुके हैं। अब तक स्नान करने वाले कुल श्रद्धालुओं की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक करीब आठ करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर स्नान किया।

अवैध प्रवासी अब भारत की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को दावा किया कि अवैध प्रवासी देश की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं और इसके प्रति जागरूकता होनी चाहिए।

अमेरिकी सरकार द्वारा हाल में अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के स्पष्ट संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय को पूछना चाहिए कि हमारे देश में यह प्रक्रिया कब शुरू होगी। धनखड़ ने यहां डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के 65वें दीक्षांत समारोह में कहा, करोड़ों लोग जिन्हें भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है, वे यहां रह रहे हैं...वे यहां अपनी आजीविका कमा रहे हैं। वे हमारे संसाधनों को लेकर मांग कर रहे हैं। हमारी शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र, आवास क्षेत्र को लेकर। अब बात और आगे बढ़ गई है। वे हमारी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम देश में एक ऐसा माहौल बनाएं....कि हर भारतीय इसके प्रति सचेत हो जाए। अमेरिका का जिक्र किए बिना उन्होंने कहा कि कुछ देशों ने हाल में उन भारतीय नागरिकों को निर्वासित कर दिया जिन्हें धोखे से वहां ले जाया गया था।

धनखड़ ने कहा, ''हर भारतीय के मन में यह सवाल आना चाहिए कि हम ऐसा कब शुरू करेंगे?'' उपराष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं को एक शक्तिशाली समूह के रूप में काम करना चाहिए और जनप्रतिनिधियों और सरकार से पूछना चाहिए कि क्या वे अपना काम कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रवाद हमारा धर्म और सर्वोच्च प्राथमिकता है। धनखड़ ने धर्मांतरण के मुद्दे पर भी बात की और कहा कि कोई व्यक्ति किसी भी धर्म का पालन कर सकता है, लेकिन प्रलोभन के जरिये धर्मांतरण हो रहा है।

तेलंगाना में निर्माणाधीन सुरंग नहर में आठ लोग फंसे

विशेषज्ञों और सेना की मदद ली जा रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को कहा कि श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का एक हिस्सा ढह जाने से आठ व्यक्ति अंदर फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उन्हें बचाने के लिए सभी प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं, एक अधिकारी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को फोन किया और सुरंग में फंसे कर्मियों को सुरक्षित निकालने पर चर्चा की। उन्होंने बचाव प्रयासों में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

नागरकुरनूल जिले में दुर्घटना स्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए सिंचाई मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विशेषज्ञों की मदद ले रही है, जिनमें पिछले साल उत्तराखंड में हुई एक घटना (सिलक्यारा सुरंग हादसे) में फंसे श्रमिकों को बचाने वाले विशेषज्ञ भी शामिल हैं। उन्होंने भारतीय सेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) से भी मदद मांगी है। सुरंग में फंसे लोगों में दो इंजीनियर, दो मशीन ऑपरेटर और चार श्रमिक शामिल हैं। सिंचाई मंत्री ने बताया कि श्रमिक सुरंग के 14 किलोमीटर भीतर फंसे हुए हैं। पानी का रिसाव धीरे-धीरे शुरू हुआ और बाद में बढ़ गया, जिससे श्रमिकों को बाहर आना पड़ा। उन्होंने बताया कि सुरंग के बाहर कुछ ''भूगर्भीय हलचल'' महसूस होने पर एक तेज आवाज भी सुनाई दी। उन्होंने बताया कि सुरंग में बोरिंग करने की मशीन के आगे काम कर रहे लोग वहीं फंस गए हैं।

मंत्री ने कहा, ''राज्य सरकार उन आठ लोगों की जान बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। हमने उत्तराखंड की घटना में लोगों को बचाने में शामिल रहे विशेषज्ञों से भी बात की है।'' रेड्डी ने बताया कि राज्य अग्निशमन सेवा और आपदा मोचन बल के कर्मियों को भी इस बचाव अभियान में शामिल होने के लिए तैयार रखा गया है। उन्होंने बताया कि भूगर्भीय हलचल के स्थिर होने के बाद बचाव कार्य शुरू करने की योजना है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, ''चूंकि यह (सुरंग के) 14 किलोमीटर अंदर हुआ है, इसलिए कुछ चुनौतियां पेश आएंगी। लेकिन, हम बचाव प्रयासों की निगरानी के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ सुरंग विशेषज्ञों को बुला रहे हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या फंसे हुए लोगों को ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जाएगी, मंत्री ने अधिकारियों के हवाले से कहा कि वहां सांस लेने में कोई समस्या नहीं आएगी। बचावकर्मी शनिवार रात तक घटनास्थल पर पहुंच जाएंगे। राज्य सरकार के स्वामित्व वाली कोयला खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की 19 सदस्यीय टीम फंसे हुए श्रमिकों को निकालने के लिए बचाव अभियान में शामिल होने के वास्ते घटना स्थल के लिए रवाना हो गई है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, एससीसीएल के पास ऐसी घटनाओं में लोगों को बचाने की विशेषज्ञता है और उसके पास आवश्यक उपकरण भी हैं।

23-02-2025 सूर्यास्त	24-02-2025 सूर्योदय
6:16 बजे	6:29 बजे

BSE	NSE
75,311.06	22,795.90
(-424.90)	(-117.25)

सोना	सोना
8,286 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	108000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सुगबुगाहट

संसेक्स गिर रहा रोज-रोज,
बाजारों में घबराहट है।
जीडीपी का सूचक नीचे,
उसमें भी बढ़ी गिरावट है।
बढ़ रही ऋणों पर ब्याज दरें,
सिस्टम में बढ़ी कसावट है।
नित भाव बढ़ रहे सोने के,
समझो मंदी की आहट है।।

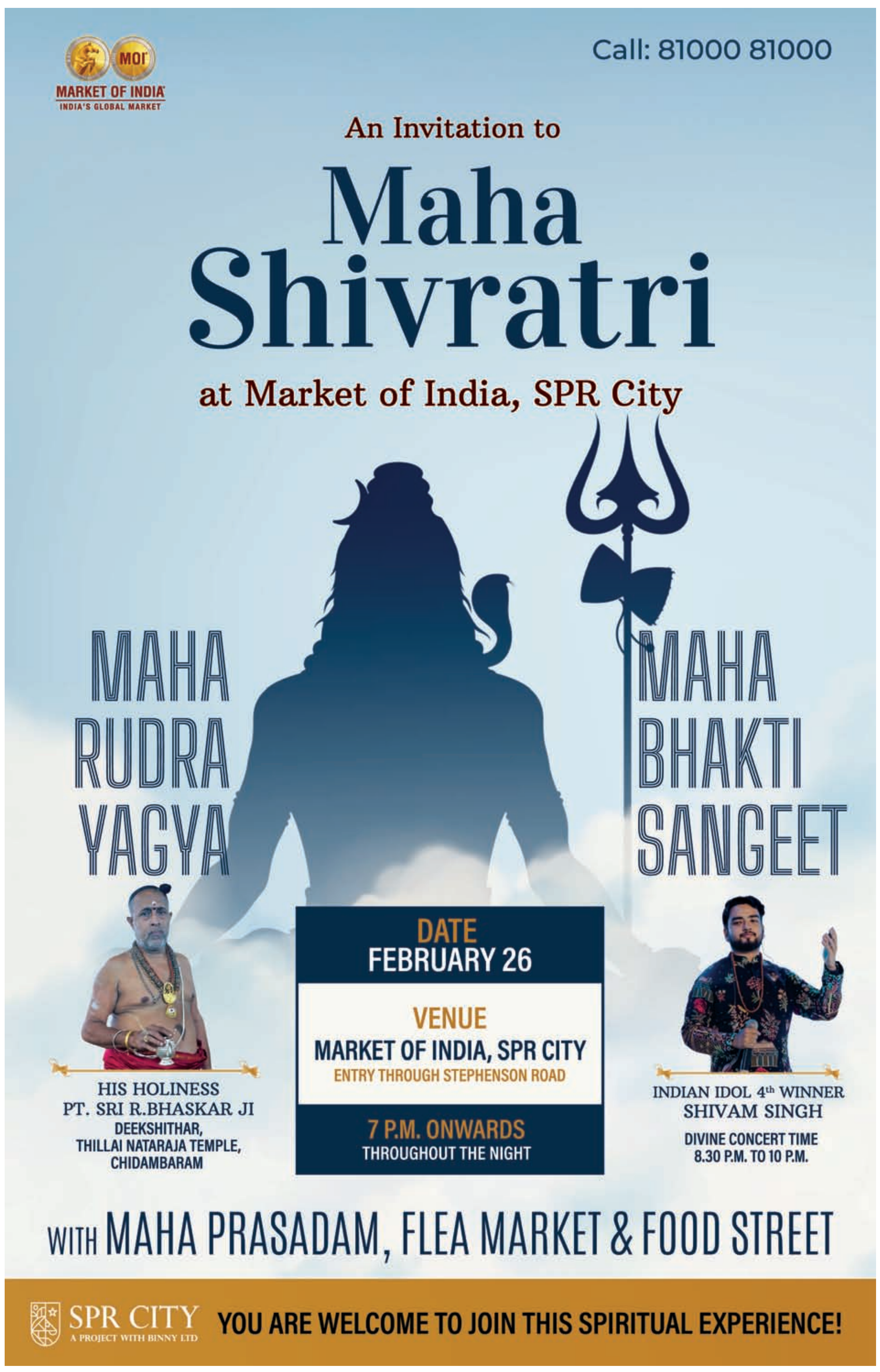

महायुति को शानदार जीत दिलाकर जनता ने असली शिवसेना, राकांपा को लेकर स्पष्ट फैसला दिया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने विधानसभा चुनावों में महायुति को भारी जीत दिलाकर यह स्पष्ट फैसला दे दिया है कि असली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) कौन है। शिवसेना और राकांपा क्रमशः जून 2022 और जुलाई 2023 में विभाजित हो गए, जिसमें दोनों दलों का एक-एक गुट भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति और कांग्रेस के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी में शामिल हो गया।

नवंबर में हुए चुनावों में महायुति ने महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से 230 सीटें जीतीं, जबकि उद्धव ठाकरे और शरद पवार के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) का प्रदर्शन खराब रहा। शाह ने कहा, आपके आशीर्वाद से महायुति सत्ता में आई और भाजपा-शिवसेना-राकांपा की सरकार बनी। ऐतिहासिक जनादेश देकर महाराष्ट्र की जनता ने यह भी स्पष्ट फैसला सुनाया कि कौन शिवसेना और कौन राकांपा असली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राजग सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में ही पीएमएवाई' का दूसरा चरण शुरू कर दिया गया।

शाह ने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस योजना के तहत 20 लाख परिवारों को अपना पहला घर मिला है। उन्होंने कहा, यदि कोई एक राज्य है, जिसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सबसे अधिक मकान मिले हैं, तो वह महाराष्ट्र है। आवास के अलावा, प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक घर में शौचालय हो, जिससे उनके आत्मसम्मान की रक्षा हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2029 तक इस योजना के तहत कुल पांच करोड़ घर बनाए जाएंगे, जिनमें से 3.80 करोड़ मकानों का आवंटन पहले ही हो चुका है।

सहज स्मृति योग

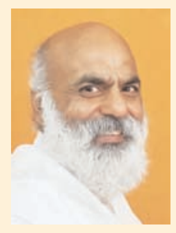

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप ध्यान को सर्वोपरि महत्व क्यों देते हैं जबकि विद्वान कर्म-फल के त्याग को सर्वोपरि कहते हैं?

उत्तर: सर्वोपरि महत्व इसलिए देते हैं क्योंकि, बिना ध्यान घटित हुए कर्म फल का त्याग असंभव होता है। ध्यान घटने से पहले कर्मफल को त्यागने का संकल्प तो हो सकता है लेकिन ऐसे संकल्प का पूर्ण होना तभी अनुभव बनता है जब ध्यान घटित हो जाए।

लिफ्ट के दरवाजे और दीवार के बीच फंसने से घायल बच्चे की अस्पताल में मौत

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में एक अपार्टमेंट की लिफ्ट के दरवाजे और दीवार के बीच एक दिन पहले फंसने के कारण घायल हुए छह वर्षीय लड़के की अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पीड़ित बच्चा मसाब टैंक इलाके में शुक्रवार को लिफ्ट के दरवाजे और दीवार के बीच वाले रिक्त स्थान में फिसलकर फंस गया था। इसके बाद वह पहली मंजिल के पास दो घंटे से ज्यादा समय तक फंसा रहा। हैदराबाद डिजास्टर रिस्पांस एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी' और अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने गैस कटर का इस्तेमाल करके लिफ्ट के फ्रेम और फ्लोर के स्लैब को काटकर उसे बचाया। इसके बाद घायल बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अंदरूनी चोटों के कारण शनिवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने कहा कि मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम के बाद पता चलेगा।

एक चिकित्सक ने बताया कि दो घंटे से अधिक समय तक फंसे रहने के दौरान बच्चे को दम घुटने की समस्या से जूझना पड़ा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़का अपने दादा के साथ अपार्टमेंट परिसर में एक रिश्तेदार से मिलने गया था और वह भूतल पर स्थित लिफ्ट में प्रवेश कर गया।

भाजपा असम चुनाव में अल्पसंख्यक मतदाताओं को अलग-थलग करने का जोखिम नहीं उठा सकती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भाजपा की असम इकाई के प्रमुख दिलीप सैकिया ने शनिवार को कहा कि पार्टी 33 प्रतिशत अल्पसंख्यक मतदाताओं को अलग-थलग नहीं कर सकती क्योंकि उसने 2026 के विधानसभा चुनावों में अपने दम पर साधारण बहुमत हासिल करने और अपने सहयोगियों के साथ 100 सीटों का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखा है।

सैकिया ने कहा कि अपने सहयोगियों असम गण परिषद (एजीपी) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, प्रोग्रेसिव (यूपीपीएल) के साथ सीट बंटवारे पर प्रारंभिक चर्चा पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि पार्टी अपने मौजूदा विधायकों के प्रदर्शन पर एक सर्वेक्षण भी कर रही है। पिछले महीने प्रदेश अध्यक्ष का पद संभालने वाले सैकिया ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक का यह विमर्श और तुष्टीकरण की राजनीति कांग्रेस द्वारा गढ़ी गई है। भाजपा ने हमेशा खुद को ऐसी राजनीति से दूर रखा है। यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी राज्य में धार्मिक अल्पसंख्यक मतदाताओं को लुभाने का प्रयास करेगी।

हिंदी को धीरे-धीरे साझा राष्टीय भाषा के रूप में आगे बढ़ना चाहिए : आरएसएस पदाधिकारी

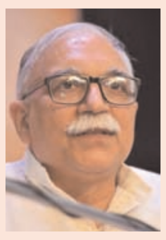

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारी अरुण कुमार ने शनिवार को कहा कि हिंदी को धीरे-धीरे एक साझा राष्ट्रीय भाषा के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा हिंदी को थोपने'' के आरोप को लेकर पैदा हुए विवाद के बीच स्वार्थी'' उद्देश्यों के लिए हिंदी की आलोचना किए जाने को खारिज कर दिया। कुमार ने यह भी दावा किया कि भारत में सभी भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं और कोई क्षेत्रीय भाषा नहीं है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु से लाखों लोग हिंदी में सर्टिफिकेट कोर्स करते हैं और उन लोगों को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है जो अपने स्वार्थ'' के लिए हिंदी भाषा का विरोध करते हैं।

एबीपी नेटवर्क के आइडियाज ऑफ इंडिया समिट 2025' को संबोधित करते हुए, आरएसएस के संयुक्त महासचिव ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ जो हुआ, और व्यापक सोच वाले'' भारत में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार के बीच समानताएं तलाशना गलत है। आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी की टिप्पणी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध करने की पृष्ठभूमि में आई है, जिसे उन्होंने हिंदी थोपने का प्रयास बताया है।

कुमार ने कहा, हमारे पास प्रशासनिक व्यवस्था है और हमें एक साझा राष्ट्रीय भाषा की जरूरत है। एक समय में यह संस्कृत थी, लेकिन आज यह संभव नहीं है। तो अब क्या हो सकता है, आज यह हिंदी है।''

छत्तीसगढ़ में अब दुकानें 24 घंटे खुली रहेंगी, राज्य सरकार का फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 201% और नियम 2021 को लागू कर दिया है। राज्य सरकार के इस फैसले के बाद व्यापारी अब अपनी दुकानें सप्ताह के सातों दिन और 24 घंटे खुली रख सकेंगे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, छत्तीसगढ़ सरकार ने व्यापार को बढ़ावा देने तथा रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए दुकानें और प्रतिष्ठान अधिनियम लागू किया है। सरकार के इस फैसले से व्यापारी अब अपनी दुकानें सप्ताह के सातों दिन और 24 घंटे खुली रख सकेंगे। इस कदम से न केवल व्यापारियों को फायदा होगा बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

उन्होंने बताया कि पहले दुकानों को सप्ताह में एक दिन बंद रखना पड़ता था, लेकिन अब व्यापारियों को अपनी सुविधा के अनुसार काम करने की छूट मिल गई है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को अनिवार्य साप्ताहिक अवकाश मिलेगा और किसी भी कर्मचारी से प्रतिदिन आठ घंटे से अधिक काम नहीं कराया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, सभी दुकान मालिकों को श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए श्रमिक कल्याण योजनाओं का पालन करना होगा। अधिकारियों ने बताया कि नए नियम में दुकानों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को भी सरल बना दिया गया है और मौजूदा पंजीकृत दुकानों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के छह महीने के भीतर श्रमिक पहचान संख्या प्राप्त करनी होगी। उन्होंने कहा कि यदि आवेदन निर्धारित अवधि के बाद जमा किया जाता है, तो नियमों के अनुसार शुल्क लागू होगा। अधिकारियों ने बताया कि इस निर्णय से राज्य में व्यापार करने में आसानी होगी और छोटे व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि दुकान संचालन में अधिक लचीलापन होने से व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आएगी जिससे राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी लेकिन यह नियम शराब की दुकानों पर लागू नहीं होगा।

शादी के लिए पहुंचे 50 युवक-युवतियों का सपना चकनाचूर, सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजक फरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। राजकोट में सामूहिक विवाह समारोह में सात फेरों के लिए पहुंचे 50 युवक और युवतियों को तब झटका लगा जब उन्होंने पाया कि वहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। कार्यक्रम के आयोजकों के फरार होने की जानकारी के बाद युवाओं का 'आक्रोश' भी फूट पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि शादी के आकांक्षी युवाओं की 'पीड़ा' को देखते हुए पुलिस ने पहल की और शनिवार को कम से कम छह जोड़ों की मौके पर ही शादी कराने की व्यवस्था कराई। सहायक पुलिस आयुक्त राधिका भारई ने बताया कि जब नवदंपति के तौर पर अपना जीवन शुरू करने के सपना संजोए 28 जोड़े व उनके परिजन विवाह स्थल पर पहुंचे तो वहां कोई व्यवस्था न पाकर हैरान रह गए। उन्होंने जानकारी की तो आयोजक भी गायब मिले और उनका फोन भी नहीं लग रहा था। राजकोट और अन्य जिलों के विभिन्न हिस्सों से आए परिवारों ने हंगामा किया, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने विवाह समारोह को पूरा करने की जिम्मेदारी ली और आयोजन स्थल से चले गए वर पक्ष को वहां बुलाया। सहायक पुलिस आयुक्त ने कहा, पुलिस द्वारा की गई व्यवस्था के बाद छह जोड़े विवाह बंधन में बंध गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई जोड़े पहले ही पास के मंदिरों और अन्य जगहों पर शादी करने के लिए कार्यक्रम स्थल से जा चुके थे, लेकिन मौके पर मौजूद छह जोड़ों के लिए व्यवस्था की गई थी।

भारई ने कहा कि आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा क्योंकि शादी के इच्छुक लोगों के परिवार के सदस्यों ने दावा किया है कि आयोजकों ने समारोह की व्यवस्था के लिए प्रत्येक परिवार से 15,000 रुपये लिए थे। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि आयोजकों ने नव-विवाहित जोड़ों के लिए उपहारों के साथ-साथ हर चीज की व्यवस्था करने का वादा किया था।

ओडिसी नर्तक मायाधर राउत का निधन

नई दिल्ली/भाषा। प्रख्यात ओडिसी नर्तक मायाधर राउत का शनिवार को दिल्ली स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। उनके पुत्र मनोज राउत ने यह जानकारी दी। मनोज ने पीटीआई-भाषा' को बताया, मेरे पिता ने आज सुबह अपने पोते-पोतियों और परिवार के बाकी सदस्यों के साथ नाश्ता किया। वह बीमार नहीं थे लेकिन काफी बुजुर्ग थे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को लोधी रोड श्मशान घाट पर किया जाएगा। छह जुलाई 1933 को ओडिशा में जन्मे पद्मश्री पुरस्कार विजेता राउत को ओडिसी नृत्य का जनक'' माना जाता है, क्योंकि उन्होंने शास्त्र-आधारित ज्ञान के साथ 1950 के दशक में ओडिसी के पुनरुद्धार में अहम योगदान दिया था। राउत 1952 में कटक में स्थापित कला विकास केंद्र के संस्थापक सदस्य थे। यह भारत का पहला संस्थान था जहां ओडिसी नृत्य सिखाया जाता था। राउत 19%0 से 1995 तक श्रीराम भारतीय कला केंद्र में ओडिसी विभाग के प्रमुख रहे। 19%1 में उनकी गीतगोविंद' की प्रस्तुति के साथ दिल्ली के प्रसिद्ध कमानी ऑडिटोरियम का उद्घाटन हुआ था। ओडिसी नृत्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राउत को उड़ीसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (19%%), साहित्य कला परिषद पुरस्कार (1984), संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1985), राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार (2003) और टैगोर अकादमी रत्न (2011) से सम्मानित किया गया। उनके परिवार में उनकी बेटी और ओडिसी नृत्यांगना मधुमिता राउत तथा बेटे मनोज और मन्मथ राउत हैं।

नीतीश के पुत्र निशांत राजनीति में आते हैं तो जद(यू) बच सकती है : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि अगर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत राजनीति में आते हैं तो उन्हें खुशी होगी क्योंकि यह जद(यू) को भाजपा और अन्य गठबंधन सहयोगियों से बचा'' लेगा। हालांकि, यहां संवाददाताओं से बात करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निशांत की उस अपील की खिल्ली उड़ाई, जिसमें उन्होंने राज्य के लोगों से कहा था कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में उनके पिता को वोट दें क्योंकि जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

निशांत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने का आग्रह किये जाने पर तेजस्वी ने कहा, मेरे पिता उनके पिता से ज्यादा फिट' हैं।'' उन्होंने कहा, दलितों के लिए लालू जी के बराबर काम किसी ने नहीं किया। उनके शासनकाल में ही बिहार में मंडल आयोग की सिफारिश लागू की गई थी। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव ने कहा, निशांत मेरे भाई की तरह हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मैं चाहूंगा कि वह शादी कर लें। अगर वह राजनीति में आने का फैसला करते हैं, तो उन्हें ऐसा करने का अधिकार है।

सो रहे श्रमिकों के 'शेड' पर ट्रक से गिराई रेत, पांच मजदूरों की मौत

जालना/भाषा। महाराष्ट्र के जालना में शनिवार को एक निर्माण स्थल पर बने श्रमिकों के अस्थायी शेड' पर ट्रक से गिराई गई रेत के कारण उसमें सो रहे पांच मजदूरों की दबकर मौत हो गई, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना जाफराबाद तहसील के पासोडी-चंदोल में एक पुल परियोजना स्थल पर तड़के हुई। मजदूर निर्माण स्थल पर बने एक अस्थायी शेड में सो रहे थे कि तभी चालक रेत से भरा टिपर' ट्रक लेकर वहां पहुंचा और उसने अनजाने में वहीं शेड पर ही पूरी रेत गिरा दी जिससे मजदूर उसके नीचे दब गए।

बीआरएस, भाजपा ने जातिगत सर्वेक्षण का विरोध किया : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भाजपा राज्य में कराए गए जातिगत सर्वेक्षण के आंकड़ों में खामी ढूंढ रहे हैं, क्योंकि पिछड़ा वर्ग उनसे सत्ता में उनकी हिस्सेदारी के बारे में सवाल करेगा।

रेड्डी ने विपक्षी बीआरएस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जातिगत सर्वेक्षण के आंकड़ों को गलत बताए जाने के मद्देनजर पिछड़ा वर्ग संघों के साथ बैठक की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले साल नवंबर-दिसंबर में कराया गया जातिगत सर्वेक्षण बहुत सावधानी से किया गया था। रेड्डी ने आरोप लगाया कि भाजपा जातिगत सर्वेक्षण को कमजोर करने की कोशिश कर रही है, क्योंकि अगर कांग्रेस द्वारा किया गया सर्वेक्षण न्यायिक जांच में पास हो जाता है, तो इससे सत्ता पर काबिज एक या दो जातियों के हित प्रभावित होंगे। बीआरएस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए व्यापक परिवार सर्वेक्षण के विवरण का खुलासा नहीं किया, क्योंकि यह त्रुटियों से भरा हुआ था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने सर्वेक्षण रिपोर्ट का इस्तेमाल केवल चुनावों के दौरान किया था, लोगों के लाभ के लिए नहीं। रेड्डी ने चेतावनी देते हुए कहा, विपक्षी दलों ने प्रक्रिया को विकृत करके पूरी व्यवस्था को बर्बाद करने की साजिश रची। पिछड़ा वर्ग बिरादरी को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा, स्वतंत्र भारत में कभी किसी ने जातिगत जनगणना नहीं कराई। कुछ लोगों को डर है कि पिछड़े वर्गों की आबादी घोषित होने के बाद वे (पिछड़ा वर्ग) दावा ठोक देंगे।

केआईआईटी परिसर में नेपाली छात्रा की मौत के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी : ओडिशा सरकार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने शनिवार को कहा कि निजी इंजीनियरिंग संस्थान केआईआईटी के एक नेपाली छात्र की मौत और हिमालयी देश के छात्रों पर कथित हमले के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी केआईआईटी के संस्थापक अच्युत सामंत की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस के युवा और छात्र कार्यकर्ताओं ने कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी) के मुख्य द्वार के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया और सामंत का पुतला जलाया। जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केआईआईटी परिसर में घुसने का प्रयास किया तो सुरक्षाकर्मियों और आंदोलनकारियों के बीच हाथापाई हो गई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यह प्रदर्शन ऐसे समय में किया है जब एक दिन पहले ही विधानसभा में पार्टी विधायकों ने 20 वर्षीय नेपाली छात्रा की मौत और उसके बाद पड़ोसी देश के छात्रों पर कथित हमले की न्यायिक जांच की मांग की थी। हालांकि, ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने कहा कि राज्य सरकार केआईआईटी घटना में कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के निष्कर्षों के भूमि पेडनेकर ने दिल दहला देने वाला बताया

मुंबई। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न और यौन शोषण को उजागर करने वाली हेमा समिति की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि एक महिला होने के नाते मैं भयभीत हूं।

'एबीपी नेटवर्क' के 'आइडियाज ऑफ इंडिया 2025' में पेडनेकर ने कहा कि पिछले साल अगस्त में जारी की गई रिपोर्ट के निष्कर्ष, जो शायद भारत में किसी भी फिल्म उद्योग के लिए पहली घटना थी, दिल दहला देने वाले और डरावने थे। पेडनेकर ने कहा, ''यह भारतीय फिल्म उद्योग का एक हिस्सा है जहां उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया, दिल दहला देने वाले भयानक विवरण सामने आए। भारत में आज एक महिला के तौर पर मैं खौफजदा हूं।'' उन्होंने कहा कि मुझे डर लगता है जब मेरी छोटी चचेरी बहन (जो मुंबई में मेरे साथ रहती है) कॉलेज जाती है और जब वह रात 11 बजे तक घर नहीं आती तो मैं घबरा जाती हूं।

अभिनेत्री ने कहा कि समस्या तब होती है जब पहले पेज की खबरें केवल महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा के बारे में होती हैं। यह एक बार की बात नहीं है, यह एक नियमित होता है। वर्ष 201% में अभिनेता दिलीप द्वारा एक अभिनेत्री पर हमला करने के मामले के बाद केरल सरकार ने यौन उत्पीड़न और लैंगिक असमानता के मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन किया था। समिति की 233 पृष्ठ की रिपोर्ट ने मलयालम फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों द्वारा सामना किये जाने वाले शोषण के विभिन्न स्तरों को उजागर किया। हिंदी फिल्म उद्योग में 'कास्टिंग काउच' के बारे में पूछे गए एक सवाल पर, 35 वर्षीय अभिनेत्री - जिन्होंने पहले यशराज फिल्म्स में सहायक कास्टिंग निर्देशक के रूप में काम किया था - ने कहा कि हालांकि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इसका सामना नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उद्योग के भीतर ऐसी घटनाओं की व्यापक प्रकृति को स्वीकार किया।

एनईपी को लागू नहीं करूंगा भले ही तमिलनाडु को 10 हजार करोड़ रु. देने की पेशकश की जाए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुड्डालोर/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर केंद्र के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए शनिवार को कहा कि अगर केंद्र उनके राज्य को 10,000 करोड़ रुपये देने की पेशकश करे तो भी वह इसे लागू करने के लिए सहमत नहीं होंगे। उन्होंने दावा किया कि एनईपी का विरोध केवल हिंदी थोपने के प्रयास के कारण नहीं है, बल्कि कई अन्य कारकों के कारण भी है, जिनके छात्रों के भविष्य और सामाजिक न्याय प्रणाली के लिहाज से गंभीर परिणाम होंगे।

स्टालिन ने यहां अभिभावक-शिक्षक संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, छात्रों को पढ़ाई छोड़ने की अनुमति देना उन्हें पढ़ाई न करने के लिए कहने के समान है। स्टालिन ने दावा किया कि, हम किसी भी भाषा के विरोधी नहीं हैं, लेकिन इसे थोपे जाने का विरोध करने के प्रति दृढ़ रहेंगे। हम केवल हिंदी थोपने के प्रयास के लिए एनईपी का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि कई अन्य कारणों से भी इसका विरोध कर रहे हैं। एनईपी प्रतिगामी है। यह छात्रों को स्कूलों से दूर कर देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को वित्तीय सहायता देने से इनकार करने के अलावा (जो अभी प्रदान की जा रही है) एनईपी ने तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षाओं के लिए सार्वजनिक परीक्षा का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत कला और विज्ञान कॉलेजों में प्रवेश के लिए एक सामान्य प्रवेश परीक्षा की शुरुआत की गई है। स्टालिन ने कहा, केंद्र का कहना है कि अगर तमिलनाडु एनईपी को लागू करता है तो उसे 2,000 करोड़ रुपये मिलेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि अगर केंद्र 10,000 करोड़ रुपये की पेशकश भी करता है तो भी हम एनईपी पर सहमत नहीं होंगे। मैं एनईपी को मंजूरी देने और तमिलनाडु को 2,000 साल पीछे धकेलने का पाप नहीं करूंगा।

आईआईटी मद्रास ने एशिया की पहली वैश्विक हाइपरलूप प्रतियोगिता आयोजित की, 10 टीम दिखा रहीं दम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। चेन्नई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी मद्रास) द्वारा आयोजित एशिया की पहली वैश्विक हाइपरलूप प्रतियोगिता (जीएचसी)-2025 में 10 हाइपरलूप टीम के कुल 200 छात्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह प्रतियोगिता 21-25 फरवरी तक चलेगी जिसमें गतिशीलता, अनुसंधान और हाइपरलूप क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले दुनियाभर के 150 उद्योग प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। प्रतियोगिता मुख्य परिसर से लगभग 36 किलोमीटर दूर थाईयूर में स्थित आईआईटी-मद्रास के दूसरे परिसर 'डिस्कवरी' में आयोजित की जा रही है।

जीएचसी-2025 का मकसद भारत को हाइपरलूप नवाचार के केंद्र में स्थापित करने के लिए है। अधिकारियों ने कहा कि इसका उद्देश्य वैश्विक प्रतिभाओं, उद्योग जगत के सफल लोगों और शोधकर्ताओं को एकजुट करना और सहयोग, नवाचार को बढ़ावा देना तथा हाइपरलूप तकनीक का वास्तविक दुनिया में कार्यान्वयन करना है। हाइपरलूप परिवहन का पांचवां माध्यम है, यह एक हाई-स्पीड ट्रेन है जो लगभग निर्वात ट्यूब में यात्रा करती है। कम वायु प्रतिरोध के कारण ट्यूब के अंदर का कैप्सूल 1000 किमी/घंटा से अधिक की गति को हासिल कर सकता है।

'स्पेसएक्स' और 'टेस्ला' के प्रमुख एलन मस्क ने 2013 में एक श्वेतपत्र - 'हाइपरलूप अल्फा' के माध्यम से दुनिया के सामने हाइपरलूप का विचार प्रस्तुत किया था। रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक पंकज शर्मा ने कहा, यह प्रतियोगिता न केवल नवाचार का उत्सव है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि भारत किस तरह से परिवहन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में उभर रहा है।

यह प्रतियोगिता आईआईटी मद्रास, आईआईटीएम प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन और एसएई इंडिया द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसमें भारत सरकार के रेल मंत्रालय का अतिरिक्त सहयोग भी शामिल है। आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि ने कहा, वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश अपने महत्वपूर्ण गंतव्यों के बीच बहुत तेज हाइपरलूप कनेक्टिविटी का एहसास करेगा। उन्होंने कहा, इस आयोजन का एक प्रमुख उद्देश्य दुनिया भर में हाइपरलूप अवधारणाओं को प्रदर्शित करना और उनका प्रचार करना है, जिससे परिवहन के क्षेत्र में युवाओं में परिवर्तन लाने की भावना को बढ़ावा मिले। कामकोटि ने कहा कि आईआईटी मद्रास पिछले सात वर्षों से हाइपरलूप अनुसंधान में सबसे आगे रहा है और इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

कोच्चि में आईआरएस अधिकारी और उनकी मां एवं बहन की मौत की जांच तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/रांची/भाषा। केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी, उनकी मां और बहन की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत की जांच कर रही पुलिस टीम ने मौत के कारण का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं से जांच तेज कर दी है। केरल पुलिस ने शनिवार को यह कहा। कुछ दिन पहले सीमा शुल्क अधिकारी और उनकी बहन यहां अपने घर के अंदर फंदे से लटके मिले थे, जबकि उनकी मां का शव भी वहीं मिला था। मरने वालों में से एक शालिनी विजय झारखंड सरकार की अधिकारी थीं, जिन्हें एक मामले में एक अदालत ने तलब किया था, जिसकी जांच सीबीआई कर रही थी।

रांची में कार्मिक विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि 2020 में छुट्टी पर केरल जाने के बाद से उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है। मृतकों की पहचान भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी और कोच्चि में केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क विभाग में अतिरिक्त आयुक्त मनीष विजय

(43), उनकी बहन शालिनी विजय और उनकी मां शकुंतला अग्रवाल के रूप में हुई है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मनीष की बहन शालिनी को हाल ही में अदालत से एक समन मिला था, जिसमें उन्हें सीबीआई द्वारा जांच किए गए एक मामले के सिलसिले में 15 फरवरी को झारखंड की एक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया था। वह झारखंड सरकार की सेवा में अपनी नियुक्ति में अनियमितताओं से संबंधित मामले में आरोपी थीं। रांची में अधिकारी ने बताया कि वह झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पहले बैच की टॉपर थीं और उनकी अंतिम पोस्टिंग गढ़वा में जिला समाज कल्याण अधिकारी के रूप में थी। मनीष और शालिनी के शव फंदे से लटके पाए गए, जबकि शकुंतला अपने बिस्तर पर मृत पाई गईं।

शकुंतला के शरीर को एक सफेद कपड़े में लपेटा गया था और उस पर फूल डाले गए थे। केरल पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि भाई-बहन ने आत्महत्या की है। हालांकि, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी मां की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगा।पुलिस को पता चला है कि मनीष ने 14 फरवरी को फूल खरीदे थे। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को मनीष की डायरी में 15 फरवरी की एक प्रविष्टि भी मिली, जिसमें निर्देश दिया गया था कि कुछ दस्तावेज उनकी छोटी बहन को सौंप दिए जाएं जो फिलहाल दुबई में हैं। पुलिस ने बताया कि उनकी छोटी बहन के शनिवार को कोच्चि पहुंचने की उम्मीद है, जिसके बाद शव का परीक्षण किया जाएगा। हालांकि जांचकर्ता सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं, लेकिन अभी तक वे मौतों और मामले के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित नहीं कर पाए हैं। एक अधिकारी ने कहा, अगर मां की मौत स्वाभाविक पाई जाती है तो भाई-बहनों की आत्महत्या दुख के कारण हो सकती है। फिलहाल हमारा ध्यान शव परीक्षण के जरिए मौत के कारण की पुष्टि करने पर है। मनीष विजय यहां कक्कानाडु में सेंट्रल एक्साइज स्टाफ क्वार्टर में रहते थे। अधिकारी कुछ दिनों से छुट्टी पर थे, लेकिन जब वह काम पर नहीं लौटे तो बृहस्पतिवार रात को उनके सहकर्मी उनके घर पहुंचे।

बदबू आने पर उन्होंने (उनके सहकर्मियों) खुली खिड़की से देखा तो एक शव लटका हुआ दिखा। पुलिस को तुरंत सूचना दी गई और घर में घुसने पर उन्हें दूसरे कमरे में दूसरा शव लटका हुआ मिला। पुलिस ने बताया कि बाद में की गई तलाशी में दूसरे कमरे में बिस्तर पर एक और शव पड़ा मिला। पुलिस ने बताया कि परिवार पिछले डेढ़ साल से इस क्वार्टर में रह रहा था, लेकिन कथित तौर पर वह अलग-थलग रहता था और पड़ोसियों से भी सीमित संपर्क रखता था। झारखंड की राजधानी रांची में विजयवर्गीय वसिया सभा के अध्यक्ष और उनके दूर के रिश्तेदार संजीव विजयवर्गीय ने बताया कि मनीष और शालिनी के परिवार का पैतृक घर शहर के डोरंडा स्थित तुलसी चौक पर है। यह परिवार विजयवर्गीय समाज का हिस्सा रहा है, लेकिन केरल चले जाने के बाद इनके बीच कोई संपर्क नहीं रहा।

रांची के पूर्व उप महापौर विजयवर्गीय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, शालिनी के दादा नेमी चंद बीपीएससी, पटना में तैनात थे। उनके पिता उत्तम चंद बोकारो स्टील में काम करते थे, लेकिन कम उम्र में ही उनकी मृत्यु हो गई...शालिनी का रांची के रेडियम रोड में भी एक फ्लैट था। उन्होंने बताया कि शालिनी की मां शकुंतला देवी बोकारो के एक कॉलेज में प्रोफेसर थीं। शालिनी के चाचा प्रेम चंद ने संवाददाताओं को बताया कि उन्हें बृहस्पतिवार देर रात उनके रिश्तेदार की मौत की सूचना मिली। उन्होंने घटना पर आश्चर्य भी व्यक्त किया।

चेन्नई आ रहे विमान को यात्री की स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण आपात स्थिति में उतारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हैदराबाद से आए एक निजी विमान को एक यात्री को स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने के बाद शनिवार को यहां आपात स्थिति में उतारा गया। शहर के हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई आ रहे विमान में सवार एक पुरुष यात्री ने बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद विमान चालकों ने आपात स्थिति में विमान को उतारने का अनुरोध किया।

उन्होंने बताया कि विमान के उतरने के बाद मेडिकल टीम यात्री को देखने पहुंची और उसका इलाज किया जा रहा है। अधिकारियों ने अधिक जानकारी दिए बिना बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार, आपात स्थिति में विमान को उतारने के लिए कुछ समय तक किसी अन्य विमान को आने-जाने की अनुमति नहीं दी गई ताकि उक्त विमान को प्राथमिकता दी जा सके। इसके बाद की उड़ानों पर भी कोई असर नहीं पड़ा।

वीजा घोटाला : अदालत ने कार्यवाही रोकने संबंधी कार्ति चिदंबरम की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम की उस याचिका पर 5 मार्च को अपना आदेश सुना सकती है, जिसमें उन्होंने अपने और अन्य के खिलाफ कथित चीनी वीजा घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने शनिवार को कार्ति की याचिका पर दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया।

कार्ति ने अदालत के समक्ष दायर की गई याचिका में संबंधित प्राधिकारियों से मंजूरी न मिलने का दावा करते हुए कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साल 2011 में चीन के 263 नागरिकों को वीजा जारी करने से संबंधित कथित घोटाले में कार्ति और अन्य के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया था। यह मामला तब सामने आया था, जब कार्ति के पिता पी चिदंबरम तत्कालीन गृह मंत्री थे।

संघीय एजेंसी ने केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा इस मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

एनईपी के माध्यम से राज्यों पर हिंदी थोपना चाहती है केंद्र सरकार : नारायणसामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. नारायणसामी ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के जरिये से राज्यों पर हिंदी थोपने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। शनिवार को अपने आवास पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एनईपी का छिपा हुआ एजेंडा खासकर गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी को थोपना है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और कई राजनीतिक नेताओं ने पहले ही इस कदम का कड़ा विरोध किया है।

नारायणसामी ने याद किया कि उनके कार्यकाल के दौरान पुडुचेरी की कांग्रेस सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में एनईपी लागू करने के केंद्र के प्रयास का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने कहा, मैंने सरकार की ओर से कड़ा विरोध दर्ज कराया था और हमने एनईपी को अपनाने के राजग सरकार के सभी निर्देशों को खारिज कर दिया था। केंद्र शासित प्रदेश में एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन की आलोचना करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री एन. रंगासामी पर नीति का विरोध करने में विफल रहने का आरोप लगाया और इसे तमिल भाषा के साथ अन्याय बताया।

केरल को 1.53 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए रुचि पत्र मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल में शनिवार को समाप्त हुए दो दिवसीय निवेशक सम्मेलन में 1.53 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए अभिरुचि पत्र (ईओआई) प्राप्त हुए।

उद्योग मंत्री पी राजीव ने कहा कि 370 से अधिक कंपनियों से अभिरुचि पत्र (ईओआई) प्राप्त हुए हैं।

राजीव ने कहा, केरल को निवेश के अनुकूल राज्य बनाने के लिए एकजुट केरल की यह एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में 5,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

करीब 1,53,905.67 करोड़ रुपये के अभिरुचि पत्र की घोषणा करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य केवल यथार्थवादी निवेश प्रस्तावों की तलाश में है।

रुचि पत्र के लिए डैशबोर्ड आधारित फास्ट-ट्रैक तंत्र बनाया जाएगा और लगातार प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। मंत्री ने कहा कि एक विशेष टोल-फ्री नंबर और ईमेल पता भी दिया जाएगा।

दो दिवसीय 'इन्वेस्ट केरल ग्लोबल समिट (आईकेजीएस)' में केंद्रीय मंत्रियों, राज्य के विपक्षी नेताओं, उद्योगपतियों और विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राज्य के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने समापन सत्र में कहा कि राज्य जल्द ही 1,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने सहकारी संघवाद के लाभों का उल्लेख किया।

स्वाहा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को मैसूर के दशहरा प्रदर्शनी मैदान में कूड़े में लगी आग ने लोगों का ध्यान खींचा, जबकि शनिवार को चामुंडी हिल्स में जंगल में लगी आग ने अग्निशमन कर्मियों को हाई अलर्ट पर रखा।

यूएई केशराफ ग्रुप ने केरल में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल में रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित ढुलाई और लॉजिस्टिक्स कंपनी शराफ ग्रुप ने अगले पांच वर्षों में राज्य में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश की शनिवार को घोषणा की। शराफ ग्रुप के वाइस चेयरमैन जनरल शराफुद्दीन शराफ ने यहां 'इन्वेस्ट केरल ग्लोबल समिट' में यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि पिछले 28 वर्षों से भारत में काम कर रही कंपनी की देश भर में सात से अधिक प्रमुख शहरों में उपस्थिति है। कंपनी ने राज्य सरकार द्वारा कारोबारी सुगमता की पहल के कारण निवेश के लिए केरल को चुना है। शिखर सम्मेलन के दौरान संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि एक अन्य कारक राज्य में उपलब्ध उच्च शिक्षित और सक्षम मानव संसाधनों का बड़ा भंडार है।

शराफ ने यह भी कहा कि न केवल केरल में बल्कि भारत के कई अन्य शहरों में भी व्यापार करना आसान है, कंपनी को बहुत समर्थन मिला है और चीजें बहुत तेजी से हो रही हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी राज्य में दो शुष्क बंदरगाह में निवेश करेगी, जिनके स्थान को राज्य सरकार के साथ चर्चा के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। शुष्क बंदरगाह एक स्थलीय टर्मिनल है, जो सड़क या रेल द्वारा समुद्री बंदरगाह से जुड़ा होता है।

शराफ ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस निवेश निर्णय से दुनिया के दूसरे कोने से केरल में बहुत सारा काम और व्यवसाय आएगा। जैसा कि आप सभी जानते हैं, निवेश से और अधिक निवेश आकर्षित होता है। जैसे-जैसे अधिक लोग आएंगे, यह क्षेत्र को ऊर्जा देगा।

जानवरों के हमलों में कमी लाने संबंधी उपायों के लिए धनराशि बढ़ाई जाए : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को पत्र लिखकर वायनाड और मलप्पुरम जिलों में जंगली जानवरों के हमलों में कमी लाने के वास्ते किये जाने वाले उपायों के लिए धनराशि बढ़ाने का आग्रह किया है। वायनाड से सांसद प्रियंका ने 20 फरवरी को लिखे अपने पत्र में सुझाव दिया है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के परामर्श से एक विशेष टीम गठित की जाए और उसे जानवरों के हमलों के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मानव जीवन की रक्षा के लिए तत्काल उपाय करने के वास्ते भेजा जाए।

उन्होंने कहा, ''मुझे हर संभव तरीके से सहायता करने में खुशी होगी।'' प्रियंका ने दावा किया कि जानवरों के हमलों से प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के साथ उनकी हालिया बातचीत के दौरान, उन्होंने लोगों में बढ़ते खौफ के साथ-साथ स्थानीय अधिकारियों में उनकी सुरक्षा करने में विश्वास की कमी देखी।

उन्होंने कहा, ''वे खाइयां खोदने जैसे उपायों पर भरोसा नहीं करते, क्योंकि उन्हें अपने अनुभव से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि रखरखाव की कमी इन्हें निष्प्रभावी बना देती है। बाड़, बाघों और तेंदुओं जैसे जानवरों को नहीं रोक पाते हैं...।'' कांग्रेस सांसद ने अपने पत्र में कहा, अधिकांश स्थानों पर लोगों ने मांग की है कि जानवरों से सुरक्षा के लिए दीवारें बनाई जाएं और वे कोई वैकल्पिक उपाय स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, हमलों की लगातार बढ़ती संख्या और इसके

परिणामस्वरूप होने वाली मौतों के कारण क्षेत्र में जंगली जानवरों के प्रति आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 27 दिसंबर 2024 से 12 फरवरी के बीच उनके निर्वाचन क्षेत्र में सात लोगों की जानवरों के हमलों में जान चली गई। इन मौतों के बाद क्षेत्र के लोगों में ''भय'' व्याप्त है।

कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि स्थानीय अधिकारी वनों और वन्यजीव अभयारण्यों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों को कायम रखते हुए मानव जीवन की रक्षा के लिए अपनी क्षमता के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, वन क्षेत्रों में और उसके आसपास मानव बस्तियों की रक्षा के लिए पर्याप्त उपाय लागू करने के वास्ते आवश्यक धनराशि स्थानीय प्रशासन के पास उपलब्ध नहीं है। प्रियंका ने माना कि हालांकि, धनराशि उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी का एक बड़ा हिस्सा पर्यावरण मंत्रालय का है, लेकिन केंद्र सरकार को राज्य के आवंटन के बराबर धनराशि उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने कहा, इस तरह, जब राज्य को धन के आवंटन में देरी होती है या अन्य कारणों से यह प्राप्त नहीं होता है, तो केंद्र सरकार अपने हिस्से की धनराशि जारी करने से बचती है।

उन्होंने पत्र में कहा कि इससे स्थानीय प्रशासन के समक्ष मुश्किल स्थिति पैदा हो गई है और वह भारी दबाव में है तथा निवारण उपाय लागू करने में असमर्थ है। उन्होंने आगे कहा कि वायनाड जिले के अधिकारियों ने थर्मल ड्रोन, कैमरा ट्रैप, सीसीटीवी कैमरे और रेडियो कॉलर खरीदने के लिए धन में उल्लेखनीय वृद्धि की आवश्यकता बताई है ताकि जानवरों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके और त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) वाहनों की संख्या बढ़ाई जा सके।

उन्होंने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हाथी-रोधी खाइयों, दीवारों के निर्माण और सौर बाड़ एवं ऊंची बाड़ लगाने तथा इनके रखरखाव के लिए धन की तत्काल आवश्यकता है।'' उन्होंने मुख्यमंत्री का ध्यान जानवरों के हमलों से प्रभावित परिवारों की जरूरतों की ओर भी आकर्षित किया, जिसमें स्थायी रोजगार, बेहतर वेतन और उपकरणों के साथ अतिरिक्त वन प्रहरियों की नियुक्तियां शामिल हैं।

कांग्रेस विधायकों का विधानसभा में धरना जारी, सदन में गुजारी रात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस विधायकों ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर एक मंत्री की टिप्पणी के खिलाफ सदन में विरोध प्रदर्शन के बाद पार्टी के छह विधायकों को निलंबित किए जाने के खिलाफ सदन में अपना धरना जारी रखा और शुक्रवार रात वहीं बिताई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि तीन मंत्रियों ने शुक्रवार रात कांग्रेस के वरिष्ठ विधायकों से बातचीत की लेकिन बातचीत बेनतीजा रही और धरना जारी रहा। जूली ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, हम मांग करते हैं कि मंत्री को अपनी टिप्पणी वापस लेनी चाहिए। ऐसे उदाहरण हैं जब सदन की कार्यवाही से शब्दों को हटाया गया है, लेकिन सरकार खुद सदन चलाना नहीं चाहती और इसलिए इसे मुद्दा बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार को छह विधायकों को सदन से निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद से पार्टी विधायक सदन में धरना दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संदर्भ में एक अनुचित शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में भारी हंगामा हुआ। प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए मंत्री ने कहा था, 2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था। इसके बाद हुए हंगामे और कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। सदन में अशोभनीय एवं निंदनीय आचरण करने के लिए कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित छह पार्टी विधायकों को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव शाम को पारित किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग द्वारा रखे गए इस आशय के प्रस्ताव के पारित होने की घोषणा की। इसके बाद सदन की कार्यवाही 24 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई और कांग्रेस विधायक सदन में धरने पर बैठ गए। कांग्रेस प्रवक्ता के अनुसार, भाजपा सरकार के मंत्री द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अपमान एवं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा समेत छह विधायकों के निलंबन के खिलाफ 22 फरवरी को सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

जेल से कैदी ने मुख्यमंत्री शर्मा को मारने की धमकी दी : पुलिस

जयपुर। जेल में बंद एक कैदी द्वारा पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, दौसा की श्यालवास केंद्रीय जेल से एक कैदी ने यह फोन किया। अधिकारियों ने बताया कि बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 29 वर्षीय रिंकू ने शुक्रवार रात मोबाइल फोन से जयपुर पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन किया और धमकी दी कि वह मुख्यमंत्री को जान से मार देगा। सूचना मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और मोबाइल फोन की लोकेशन श्यालवास जेल की मिली। पुलिस ने बताया कि तड़के तीन बजे से सात बजे तक जेल में गहन तलाशी अभियान चलाया गया और जेल से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यसभा के सदस्य मदन राठौड़ शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। राठौड़ पहले से ही पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे। चुनाव अधिकारी गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने यहां पार्टी कार्यालय में राठौड़ के निर्वाचन की औपचारकि घोषणा की। उन्होंने कहा, कल पांच अलग-अलग प्रस्ताव प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए मिले। हमारे मुख्यमंत्री से लेकर अन्य वरिष्ठ नेताओं ने जो प्रस्ताव रखे उनमें एक ही नाम था। उन नामांकन पत्रों की जांच और केंद्र में हमारे वरिष्ठ नेताओं से बातचीत के बाद अब फैसला हो गया है और मैं घोषणा करता हूं कि मदन राठौड़ हमारे प्रदेश अध्यक्ष बनेंगे। रूपाणी ने राठौड़ को निवार्चन प्रमाणपत्र भी सौंपा। मदन राठौड़ को सात महीने पहले पिछले साल जुलाई में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित तमाम बड़े नेता मौजूद थे। राज्य से पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के 25 सदस्यों का भी निर्वाचन हुआ है।

भाजपा का आंतरिक लोकतंत्र मजबूत : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत बताते हुए कहा है कि इसके कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से यह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है और अब फिर से चुने गये पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के ऊर्जावान नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा नई ऊंचाइयों को छुयेगी।

शर्मा शनिवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचन कार्यक्रम में शामिल हुए और इस दौरान यह बात कही। उन्होंने राठौड़ को बधाई दी तथा उनका मुंह मीठा कराया। उन्होंने संगठन और सत्ता को एक दूसरे के पूरक बताते हुए कहा कि 21 अक्टूबर 1951 को छोटे से संगठन के रूप में शुरू हुई जनसंघ आज भाजपा के रूप में दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र है तो पार्टी में भी लोकतंत्र जरूरी है और हमारी पार्टी की यह खासियत है कि हमारे यहां आंतरिक लोकतंत्र मजबूत है। उन्होंने कहा कि देश के अधिकतर राज्यों में आज भाजपा की सरकार है, तो यह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से ही संभव हो पाया है। हमारी पार्टी बूथ, मंडल, जिला, प्रदेश तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित सभी पदों पर सहमति बनाते हुए सहयोग के साथ आगे बढ़ती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सब उनके विकसित भारत के विज़न को पूरा करने के लिए काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भी संकल्प-पत्र में किए गए 50 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा कर चुकी हैं तथा कार्यकर्ताओं के सहयोग एवं विश्वास से संकल्प-पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजनाओं जैसे परियोजनाओं से जहां राजस्थान में पानी की कमी को पूरा करने का काम किया हैं वहीं किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य के साथ हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को आगामी पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में लगातार सरकारी नौकरियों के लिए भर्तियां की जा रही हैं।

शर्मा ने कहा कि बजट घोषणाओं के धरातल पर त्वरित क्रियान्वयन के लिए मंत्रियों को निर्देशित किया गया है कि वे 23 फरवरी को अपने-अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा करेंगे तथा बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन एवं प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं के पास विधानसभा वार बजटीय घोषणाओं की सूची भेजी जाएंगी जिससे वे अपने क्षेत्र में जाकर इसका प्रचार-प्रसार कर आमजन को लाभ पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि राठौड़ एक ऐसे व्यक्तित्व है जिन्होंने अपनी मेहनत, निष्ठा और जनसेवा के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। विद्यार्थी परिषद में काम करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में शुरुआत करने वाले राठौड़ ने विभिन्न पदों पर रहते हुए संगठन को मजबूत किया। उन्होंने विश्वास जताया कि राठौड़ के ऊर्जावान नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा नई ऊंचाइयों को छुएगी।

मदन राठौड़ की ताजपोशी पर वसुंधरा राजे का संदेश-बीजेपी एकजुट, नो गुट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान भाजपा में एक बार फिर संगठनात्मक मजबूती का प्रदर्शन करते हुए मदन राठौड़ को प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब पार्टी को एक संगठित नेतृत्व की जरूरत थी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने इस मौके पर स्पष्ट संदेश दिया एकजुट, नो गुट, एक मुख। यानी पार्टी में गुटबाजी से ऊपर उठकर सभी को एक स्वर में संगठन के साथ खड़ा रहना होगा। उनके इस बयान को आगामी चुनावों की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान भाजपा के चुनाव प्रभारी विजय रूपाणी ने राठौड़ के नाम की घोषणा की।

प्रदेश से 25 राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी निर्वाचन किया गया, जो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भाग लेंगे। यह दूसरी बार है जब 7 महीनों के भीतर मदन राठौड़ को यह कमान मिली है। खास बात यह रही कि प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए किसी और नेता ने नामांकन नहीं भरा, जिससे उनका दोबारा अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा था।

भाजपा के इस निर्णय को आगामी रणनीति और पार्टी के भीतर एकजुटता स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि राठौड़ इस जिम्मेदारी को किस तरह निभाते हैं और पार्टी को आगे किस दिशा में ले जाते हैं।

राजस्थान में चुनावी वादों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे ठोस कदम : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा है कि राजस्थान में गत विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार के महज एक साल के कार्यकाल के दौरान कई ठोस कदम उठाए गए हैं और इससे प्रदेश की जनता को डबल इंजन सरकार का पूरा लाभ मिल रहा है। शेखावत शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में मदन राठौड़ के प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के अवसर पर आयोजित सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर हाल में यह सुनिश्चित करेगी कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं धरातल तक पहुंचें, जिससे प्रदेश की जनता लाभान्वित हो सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा शुरू से ही कार्यकर्ताओं की ताकत के आधार पर काम करने वाली पार्टी रही है। उन्होंने कहा कि अंगुलियों पर गिने जाने वाले लोगों ने पार्टी का गठन किया था और अपनी विचारधारा, कार्यकर्ताओं की शक्ति की वजह से तमाम परिस्थितियों और चुनौतियों से निपटते हुए पार्टी केवल देश की ही नहीं बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने काम के आधार पर जनता का विश्वास जीता है, यही वजह है कि राजस्थान में प्रचंड जीत देने के बाद कई अन्य प्रदेशों में भी जनता ने भाजपा को प्रचंड समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा कि इतनी लंबी यात्रा के दौरान पार्टी की ऐसी छवि बनी है, जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों का अक्षरत: पालन किया है। पार्टी एक सामान्य कार्यकर्ता का उसे उत्तरदायित्वों के प्रति प्रेरित करते हुए उसे अच्छा नेतृत्व देने का काबिल बनाती है। भाजपा की यही परंपरा उसे एक ऐसी पार्टी बनाती है जो विश्वकल्याण के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि शुरू से पार्टी जिस लक्ष्य को लेकर चल रही थी, आज उसी दिशा में काम हो रहा है और विश्व के कल्याण के लिए भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाएगा।

सतह पर सजावट को समर्पित भारत की पहली प्रदर्शनी का जोधपुर में आयोजन

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में आयोजित कशीदाकारी और सतह पर सजावट को समर्पित भारत की पहली प्रदर्शनी में देश और विदेश के 20 से अधिक कारीगरों की 60 कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। यह प्रदर्शनी कारीगरों की शिल्पकला को उजागर करती है तथा उनके काम को एक मंच प्रदान करती है। प्रदर्शनी में कशीदाकारी की विविध तकनीकों को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें बिहार की खेता रजाई, पश्चिम बंगाल की कांथा, लखनऊ की चिकनकारी और गुजरात के कच्छ की जटिल शैलियां शामिल हैं।

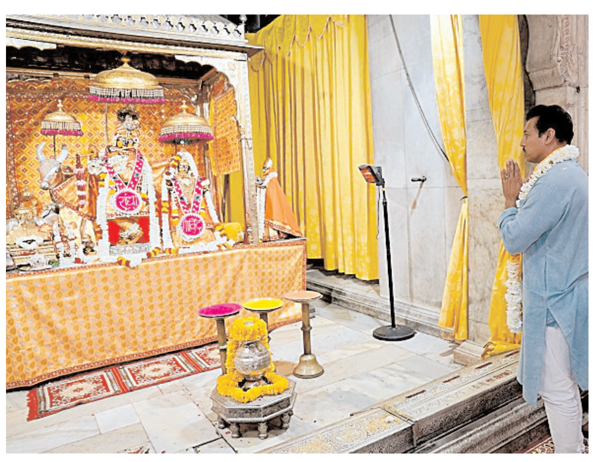

मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने गोविंद देव जी मंदिर में की पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शनिवार को जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंद देव जी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश और देश की उन्नति, समृद्धि और खुशहाली के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मंदिर दर्शन के पश्चात कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जगद्गुरु आश्रम का दौरा किया, जहां उन्होंने पूज्यनीय संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया। संत समाज के साथ आत्मीय संवाद करते हुए उन्होंने धर्म और आध्यात्मिकता के महत्व पर चर्चा की। संतों ने भी उन्हें सेवा और समाज कल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

इस दौरान कर्नल राठौड़ ने गणमान्यजनों से स्नेहिल भेंट की और विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक स्थलों पर आकर उन्हें शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है, जिससे वे और अधिक समर्पण के साथ जनसेवा के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि भारतीय संस्कृति में धार्मिक स्थलों का विशेष महत्व है, जो समाज में नैतिक मूल्यों और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने जयपुरवासियों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार जनकल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है और हर संभव विकास कार्य किए जाएंगे।

मंत्री राठौड़ की इस आध्यात्मिक यात्रा के दौरान उनके साथ कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उनका अभिवादन किया और उनके साथ फोटो खिंचवाए। यह दौरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक था बल्कि सामाजिक समरसता और जनसंवाद को भी बल देने वाला रहा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सभी से प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

डोटासरा एवं कांग्रेस विधायकों के निलम्बन के विरोध में पार्टी नेताओं ने किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गयी टिप्पणी और कांग्रेसी विधायकों सहित प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के निलंबन के विरोध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सहित कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बीकानेर में प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने कहा कि गैर भाजपाई प्रधानमंत्रियों खासतौर से कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का अपमान करना और उनको निशाना बनाना भाजपा के नेताओं की आदत में शुमार हो गया है। उनको लगता है कि देश में सिर्फ वे ही लोग हैं, जो देशभक्त हैं और बाकी नेताओं का योगदान इस देश में कुछ नहीं। ऐसा ही वक्तव्य कल गहलोत का रहा और जब कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने इसका विरोध करके माफी मांगने की बात कही, तो उलटा उन कांग्रेसी विधायकों को ही सदन से निलंबित कर दिया गया, जो साबित करता है कि भाजपा शासन डंडे के जोर पर चलाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस भी पीछे हटने वाली नहीं है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री बुलाकीदास कल्ला ने कहा कि जिस तरह देश की पूर्व प्रधानमंत्री के लिये असम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया वह सही नहीं है। इसके लिये मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को चाहिये कि वह मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुये माफी मांगें। जिन लोगों ने देश की रक्षा के लिये, लोकतंत्र के लिये अपने प्राण न्योछावर कर दिये हों, उनके लिये व्यंग्यात्मक टिप्पणी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पूर्व मंत्री वीरेंद्र बेनीवाल ने कहा कि जिस समय देश के पास साधन नहीं थे, उस वक्त अमेरिका को सीधे चुनौती देने वाली प्रधानमंत्री के लिये ऐसे शब्दों का इस्तेमाल भारतीय राजनीति में सही नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष मंगलाराम गोदारा ने कहा कि जिन्होंने देश के लिये अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया हों, जिनके लिए देश की एकता पहले हो ऐसे व्यक्तित्व पर भाजपा मंत्री की टिप्पणी किसी भी सूरत में सही नहीं ठहराई जा सकती। उन्हें माफी मांगनी होगी। पूर्व मंत्री लक्ष्मण कड़वासरा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, जिनको भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व में पूजा जाता है, उनके खिलाफ टिप्पणी भाजपाई सोच का नमूना है। गहलोत की टिप्पणी कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। सभी वक्ताओं ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा सहित सभी विधायकों के निलंबन तुरंत रद्द करने की मांग की। देहात संगठन महासचिव प्रह्लाद सिंह मार्शल ने बताया कि विरोध प्रदर्शन को अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने भी सम्बोधित किया।

श्रीसांवलियाजी मंदिर का प्रसाद शुद्ध व गुणवत्तापूर्ण मिला

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के प्रसिद्ध श्रीसांवलियाजी मंदिर से श्रद्धालुओं को मिलने वाला प्रसाद खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण मिला है। तिरूपति बालाजी मंदिर प्रसाद विवाद के बाद यहां भी सेंपल लिये गये थे।

खाद्य निरीक्षक घनश्याम शर्मा ने शनिवार को बताया कि तीन चार माह पूर्व तिरूपति बालाजी मंदिर के प्रसाद के दूषित पाए जाने के बाद यहां पर भी मंदिर मंडल की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में बेचे जाने वाली मठरी और लड्डू के सेंपल लेकर उदयपुर स्थित विभाग की प्रयोगशाला में भेजे गये थे।

अकबर रोड और हुमायूं रोड के साइनबोर्ड पर कालिख पोती गई, शिवाजी के पोस्टर चिपकाए

नई दिल्ली/भाषा। अकबर रोड और हुमायूं रोड पर लगे साइनबोर्ड पर कालिख पोती गई और उन पर छत्रपति शिवाजी के पोस्टर चिपका दिए गए। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना कुछ लोगों के विक्की कौशल अभिनीत हिंदी फिल्म 'छावा' देखने के बाद हुई। यह मराठा योद्धा राजा छत्रपति संभाजी पर आधारित फिल्म है। इस कृत्य के कई कथित वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया मंचों पर सामने आए, जिसमें कुछ युवा साइनबोर्ड पर काली कालिख लगाते और मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी की तस्वीरें चिपकाते हुए दिखाई दे रहे हैं। शिवाजी के बेटे संभाजी, साम्राज्य के दूसरे राजा थे। सूत्रों ने बताया कि पुलिस दल और नगर निगम अधिकारियों को तुरंत मौके पर भेजा गया तथा क्षतिग्रस्त बोर्ड को साफ कराया गया। अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। पुलिस तोड़फोड़ को रोकने तथा कानून एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए स्थिति पर नजर रख रही है।

ग्लोबल वार्मिंग' पर्यावरण प्रदूषण की चेतावनी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखीमपुर खीरी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि ग्लोबल वार्मिंग' पर्यावरण प्रदूषण की चेतावनी है। योगी आदित्यनाथ 2,850 करोड़ रुपये की लागत से यहां विकसित हो रहे कुंभी में भारत के पहले बायो-पॉलिमर प्लांट' का शिलान्यास करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम लोग जितना जागरूक होंगे, पर्यावरण हमें जीने के लिए उतना ही अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराएगा।

योगी ने कहा, दुनिया पर्यावरण प्रदूषण के प्रति चिंतित है। खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग' के बीच संबंध का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर प्रतिकूल वातावरण मनुष्य ने बनाया है तो वातावरण को अनुकूल बनाने की जिम्मेदारी भी मनुष्य की ही होगी! योगी ने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ में देश-विदेश के श्रद्धालु उमड़ रहे हैं, वहीं लखीमपुर खीरी में निवेश का महाकुंभ कुंभी में देखने को मिल रहा है, जहां बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड द्वारा 2850 करोड़ की लागत से देश का पहला बायोपॉलिमर संयंत्र' स्थापित होगा।

उन्होंने कहा कि यह संयंत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करेगा। उन्होंने कहा कि यहां बनने वाली बोतल, प्लेट, कप और थैले आदि पूरी तरह से डिस्पोजबिल' होंगे और इस्तेमाल के बाद महज तीन महीने में नष्ट हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश के महाकुम्भ में भागीदार बनने के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से 22 फरवरी तक अब तक 60 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

उन्होंने कहा, मैं यहां से गोला गोकर्णनाथ और फिर प्रयागराज जाऊंगा, लेकिन कुंभी में ही मुझे महाकुंभ दिख गया। यह निवेश का महाकुंभ है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संयंत्र के निर्माण से हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और किसानों की आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी। योगी ने पर्यावरण संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग' के कारण असमय बारिश और सूखे जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संगम में लगाई डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को यहां संगम में डुबकी लगाई।

नड्डा के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, प्रदेश के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने भी संगम में स्नान किया। मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के मंत्रियों के साथ स्नान करने के बाद भाजपा अध्यक्ष ने अपने परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाई और सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। साथ ही उन्होंने मां गंगा को साड़ी, नारियल, पुष्प आदि भी अर्पित किया। नड्डा के साथ डुबकी लगाने वालों में उनके परिवार के दो बच्चे भी शामिल थे।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, भाजपा अध्यक्ष शनिवार को दोपहर में प्रयागराज हवाई अड्डा पहुंचे जहां उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता और फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल ने उनका स्वागत किया। महाकुंभ नगर के अरैल पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नड्डा का स्वागत किया और उन्हें बोट से संगम ले गए। इस दौरान, नड्डा और उनके परिवार ने संगम में कलरव कर रहे साइबेरियाई पक्षियों को दाना भी खिलाया।

पूर्व आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री का दूसरा प्रधान सचिव बनाया गया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूसरा प्रधान सचिव नियुक्त किया गया। गुजरात कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी पी के मिश्रा इस समय प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत हैं। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, तमिलनाडु कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दास का कार्यकाल प्रधानमंत्री के कार्यकाल तक या अगले आदेश तक होगा। आदेश में कहा गया, ''मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (सेवानिवृत्त) को प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव - 2 के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी।'' शक्तिकांत दास ने एक सिविल सेवक के रूप में मुख्य रूप से वित्त, कराधान, निवेश और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में काम किया। वह भारतीय रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर बने और उन्होंने भारत के जी20 शेरपा तथा 15वें वित्त आयोग के सदस्य के रूप में भी काम किया है।

किसानों को मजबूरी में उपज बेचने से रोकने के लिए योजना की तैयारी : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के उपाय कर रही है कि किसानों को अपनी उपज, विशेष रूप से फलों और सब्जियों को औने-पौने दामों पर न बेचना पड़े। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में 22-24 फरवरी तक आयोजित होने वाले 'पूसा कृषि विज्ञान मेला' 2025 का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही।

चौहान ने प्रयोगशालाओं से बीजों की नई किस्मों और प्रौद्योगिकियों को किसानों तक जल्द से जल्द ले जाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार समस्याओं को समझने के लिए किसानों के साथ ही उनके संगठनों के जरिये सीधे चर्चा कर रही है और फिर समाधान के लिए योजनाएं बना रही है। मंत्री ने कहा, ''जहां-जहां समस्याएं दिख रही हैं, हम योजनाएं बना रहे हैं।'' उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा के लिए कुछ वर्षों में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र किया। चौहान ने कहा कि सरकार ने चावल और प्याज पर निर्यात प्रतिबंध हटा दिए हैं, जबकि खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है। केंद्र ने टमाटर की कीमतों में गिरावट को देखते हुए किसानों की मदद के लिए कदम उठाए हैं और आंध्र प्रदेश के लाल मिर्च किसानों के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''मैं कृषक समुदाय को भरोसा देना चाहता हूं कि हम किसानों की भलाई के लिए सभी महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे। चिंता न करें।''

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की घटती संख्या के विरोध में अधिवक्ताओं की हड़ताल

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की घटती संख्या और अधिवक्ता अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन के खिलाफ अधिवक्ता शुक्रवार को हड़ताल पर रहे। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने बृहस्पतिवार को हुई बैठक में हड़ताल का निर्णय लिया था। एसोसिएशन के प्रस्ताव के मुताबिक, अधिवक्ता शुक्रवार की सुबह मुख्य द्वार (गेट संख्या 3) पर एकत्रित हुए और अदालत कक्ष में प्रवेश नहीं किया।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के पदों की संख्या 160 है, लेकिन वर्तमान में इलाहाबाद में आधे से कम न्यायाधीश कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर इलाहाबाद में 55 न्यायाधीश कार्यरत हैं, तो वहीं इसकी लखनऊ पीठ में केवल 23 न्यायाधीश कार्यरत हैं। पर्याप्त संख्या में न्यायाधीश नहीं होने से लंबित मामलों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। एसोसिएशन के मुताबिक, अधिवक्ता सरकार द्वारा प्रस्तावित अधिवक्ता अधिनियम में संशोधन के खिलाफ हैं क्योंकि यह अधिवक्ताओं के हितों के खिलाफ है।

तृणमूल ने बंगाल की मतदाता सूची में बाहरी लोगों केनाम शामिल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को निर्वाचन आयोग (ईसी) के अधिकारियों के एक वर्ग पर भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए पश्चिम बंगाल के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में बाहरी लोगों के नाम जोड़ने के लिए पार्टी के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप लगाया। टीएमसी के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग के अधिकारियों का एक वर्ग, विशेष रूप से राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में उचित भौतिक सत्यापन के बिना ही नामों को मतदाता सूची में शामिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ को रोकना सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की जिम्मेदारी है, और मतदाता सूची में अनधिकृत बाहरी लोगों को जोड़ने की किसी भी सूचना के मामले में भी केंद्र द्वारा निपटा जाना चाहिए, क्योंकि यह बीएसएफ को नियंत्रित करता है और निर्वाचन आयोग को भी रिमोट कंट्रोल' से नियंत्रित करता है, जिसने स्पष्ट रूप से सत्यापन प्रक्रिया में ढील दी है। दक्षिण 24 परगना जिले के बरुईपुर विधानसभा के अंतर्गत चंपाहाटी क्षेत्र में मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या में कथित वृद्धि के बारे में खबरों का जिक्र करते हुए घोष ने कहा, यदि ऐसी स्थिति है, तो इसका श्रेय स्थानीय प्रशासन और पुलिस को जाता है, जिन्होंने अनधिकृत मतदाताओं पर नजर रखी, न कि निर्वाचन आयोग को, जिसने उचित भौतिक सत्यापन के बिना नामों को शामिल करने की अनुमति दी।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने कोचिंग सेंटरों से छात्रों को 1.56 करोड़ रुपये वापस कराए

नई दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता मामलों के विभाग के हस्तक्षेप के बाद 600 से अधिक छात्रों को कोचिंग संस्थानों से 1.56 करोड़ रुपये वापस मिले हैं। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को बताया गया कि विभाग ने ''शिक्षा क्षेत्र में 600 से अधिक छात्रों के लिए 1.56 करोड़ रुपये की वापसी कराई है।'' इसमें कहा गया कि सिविल सेवा, इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम और अन्य कार्यक्रमों के लिए कोचिंग सेंटरों में नाम लिखवाने वाले इस छात्रों को पहले कोचिंग संस्थानों ने धन वापसी करने से इंनकार कर दिया था। छात्रों के राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के जरिये शिकायत दर्ज कराने के बाद यह राहत मिली। इस हेल्पलाइन ने विवाद समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया की सुविधा दी।

मेरठ में रैपिड रेल कॉरिडोर के रास्ते में बाधा बनी मस्जिद हटाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/भाषा। मेरठ में रैपिड रेल कॉरिडोर' के निर्माण में बाधा बनी सालों पुरानी एक मस्जिद को प्रशासन ने मुस्लिम समुदाय के लोगों की सहमति से रास्ते से हटा दिया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अधिकारियों और मस्जिद प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श के बाद स्थानीय मुस्लिम समुदाय की सहमति से शुक्रवार को तोड़फोड़ करके मस्जिद को हटा दिया गया। नगर के अपर जिलाधिकारी (एडीएम) बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मस्जिद रैपिड रेल परियोजना की प्रगति में बाधा बन रही थी, जिसके कारण इसे हटाने का निर्णय लिया गया। यह प्रक्रिया मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा मस्जिद के कुछ हिस्सों को गिराने के लिए हथौड़ों का उपयोग करने के साथ शुरू हुई। बाद में जब अधिकांश संरचना को हटा दिया गया, तो प्रशासन ने देर रात तोड़फोड़ के काम को पूरा करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया। इस दौरान सारा मलबा भी साफ कर दिया गया। पीटीआई- को दिए एक बयान में अपर जिलाधिकारी (नगर) सिंह ने पुष्टि की कि मस्जिद को हटाने का काम आपसी सहमति से किया गया। सिंह ने कहा, मुस्लिम समुदाय ने मस्जिद को हटाने की पहल की और मैंने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के अधिकारियों के साथ उनके साथ चर्चा की। हालांकि, मस्जिद को हटाना केवल मुस्लिम समुदाय की सहमति से किया गया। मस्जिद कितनी पुरानी है? इस सवाल पर सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों में इसे लेकर अलग-अलग राय है, कुछ का दावा था कि यह लगभग 80 साल पुरानी है और अन्य का कहना है कि यह 168 साल पुरानी हो सकती है। मस्जिद को स्थानांतरित करने के मामले पर सिंह ने स्पष्ट किया कि इस समय समुदाय को कोई वैकल्पिक भूमि प्रदान नहीं की गई है और मुस्लिम पक्ष द्वारा ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

संभल के सांसद को लंबित जुर्माने मामले में बिजली विभाग ने सात मार्च तक का समय दिया

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जिया उर रहमान बर्क को बिजली विभाग ने 1.91 करोड़ रुपये के लंबित जुर्माने पर स्पष्टीकरण देने के लिए सात मार्च तक का समय दिया है। बिजली विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बिजली विभाग के अधिशाषी अभियंता नवीन गौतम ने संभल के सांसद पर लगाए गए 1.91 करोड़ रुपये के जुर्माने के संबंध में जानकारी दी। गौतम ने बताया कि सांसद के अधिवक्ता ने सात फरवरी को इस मामले में अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिस पर सात मार्च की सुनवाई की नई तारीख तय की गयी। यह पूछे जाने पर कि इस मामले में कितने नोटिस जारी किए गए हैं, गौतम ने पुष्टि की कि सांसद को अब तक दो नोटिस भेजे गए हैं। क्या सांसद ने कोई साक्ष्य प्रस्तुत किया था, इस पर गौतम ने कहा कि आज तक कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। अगर सात मार्च तक सांसद की ओर से कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया तो उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी?

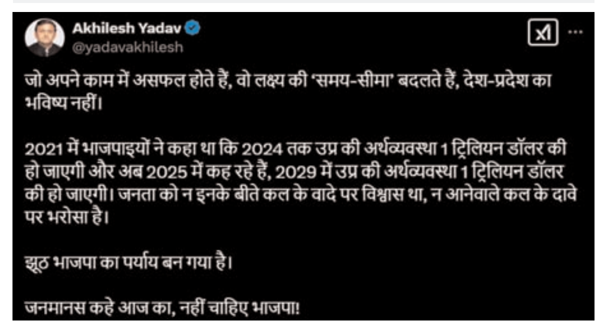

जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की समय-सीमा' बदलते हैं : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वर्ष 2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर किये जाने के सरकार के दावे पर शनिवार को तंज कसते हुए कहा कि जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की समय-सीमा' बदलते हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की समय-सीमा' बदलते हैं, देश-प्रदेश का भविष्य नहीं। उन्होंने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 2021 में भाजपाइयों ने कहा था कि 2024 तक उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर (एक हजार अरब डॉलर) की हो जाएगी और अब 2025 में कह रहे हैं, 2029 में उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी। यादव ने कहा, जनता को न इनके बीते कल के वादे पर विश्वास था, न आने वाले कल के दावे पर भरोसा है। झूठ भाजपा का पर्याय बन गया है। जनमानस कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।

मतपत्र से मतदान' से संबंधी ट्रंप की टिप्पणी पर ध्यान दें प्रधानमंत्री : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मत पत्रों मतदान की पैरवी किए जाने का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सबसे अच्छे मित्र की बात पर ध्यान देते हुए भारत की चुनाव प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ी चिंताओं का निदान करना चाहिए। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्रंप का एक वीडियो साझा किया जिसमें वह यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि अमेरिका में मत पत्र से और एक ही दिन मतदान होना चाहिए।

वेणुगोपाल ने उनके बयान का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, क्या प्रधानमंत्री मोदी मतपत्र और एक दिन मतदान पर अपने सबसे अच्छे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप के संदेश पर ध्यान देंगे और हमारी चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ी पूरे देश की चिंताओं को संबोधित करेंगे? उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि उनके सबसे अच्छे दोस्त भी महाराष्ट्र में लाखों मतदाताओं की असामान्य वृद्धि या विपक्ष के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की बात से हैरान रह जाएंगे।

भारत, जापान का संयुक्त सैन्य अभ्यास 24 फरवरी से नौ मार्च तक होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान 24 फरवरी से शुरू होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग लेंगे जिसका उद्देश्य संयुक्त रूप से शहरी युद्ध और आतंकवाद रोधी अभियानों को अंजाम देते हुए दोनों सेनाओं के बीच समन्वय को बढ़ाना है।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह अभ्यास क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति और स्थिरता के प्रति भारत और जापान की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके साथ ही यह एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत के उनके साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। भारतीय सेना की एक टुकड़ी भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्डियन' के छठे अभ्यास के लिए शनिवार को रवाना हुई। यह सैन्य अभ्यास 24 फरवरी से नौ मार्च 2025 तक जापान के पूर्वी फूजी युद्धाभ्यास प्रशिक्षण क्षेत्र में होगा। बयान में कहा गया, इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत संयुक्त शहरी युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों को अंजाम देते हुए दोनों सेनाओं के बीच समन्वय को बढ़ाना है।

धर्म गार्डियन' सैन्य अभ्यास एक वार्षिक सैन्य अभ्यास है जो भारत और जापान में बारी-बारी से होता है। यह सैन्य अभ्यास पिछली बार फरवरी-मार्च 2024 में राजस्थान में किया गया था। बयान में कहा गया कि 120 कर्मियों वाली भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के सैनिकों के साथ-साथ अन्य सेनाओं की टुकड़ियों और सैन्य सहायता इकाइयों के सैनिक करेंगे। जापान की ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) का प्रतिनिधित्व 34वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट करेंगी। इसमें भी इतने ही सैनिक होंगे। इस अभ्यास में उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

बयान में कहा गया कि अक्टूबर 2024 में सेना प्रमुख की जापान की सफल यात्रा के परिणाम स्वरूप, यह सैन्य अभ्यास धर्म गार्डियन' भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करेगा। बयान के अनुसार धर्म गार्डियन' सैन्य अभ्यास भारत-जापान संबंधों के क्षेत्रीय सहयोग की आधारशिला को मजबूत करता है। यह परस्पर सैन्य संबंधों को मजबूत करता है और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देता है।

नई तोपों और शक्तिशाली रडार के साथ हवाई रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की सेना की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ड्रोन और अन्य विध्वंसक प्रौद्योगिकियों के कारण युद्ध के बदलते तरीकों के मद्देनजर आर्मी एयर डिफेंस' (एएडी) कोर ने मौजूदा हवाई रक्षा तोपों के लिए नए विखंडन गोला-बारूद को शामिल करने और अधिक शक्तिशाली रडार की तैनाती के जरिए अपनी क्षमताएं बढ़ाने का खाका तैयार किया है। एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि इसके अलावा सेना को स्वदेशी रूप से विकसित सतह से हवा में मार करने वाली त्वरित प्रतिक्रिया मिसाइल' (क्यूआरएसएएम) प्रणाली के संबंध में अनुबंध की उम्मीद है। आर्मी एयर डिफेंस कोर' के पास एल%0, जू-23मिमी, शिल्का, तांगुस्का और ओसा-एके मिसाइल प्रणाली जैसी विभिन्न प्रकार की मिसाइल प्रणालियां और तोपें हैं। सेना हवाई रक्षा (एएडी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी'कुन्हा ने कहा, तोपों का चलन वापस आ गया है। सेना ने अच्छे कारणों से इन्हें बनाए रखा है और इन तोपों का विखंडन गोला-बारूद के साथ प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल डी'कुन्हा ने आत्मनिर्भर भारत' पर जोर देते हुए आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने आगाह किया कि भारतीय उद्योग को कम समय सीमा'' में आपूर्ति की पेशकश करनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि एएडी शुरू में प्रादेशिक सेना का हिस्सा थी। उसे बाद में 1994 में इससे अलग कर दिया गया।

सुविचार

समझदार व्यक्ति जब संबंध निभाना बंद कर दें तो समझ लो उसके आत्मसम्मान को कही ना कही ठेस पहुंची है..!

ट्वीट

पिछले एक साल में राजस्थान में जिन वादों को लेकर 2023 के चुनावी मैदान में उतरे थे, उन्हें पूरा करने की दिशा में ठोस और सशक्त कदम बढ़ाए गए हैं। आने वाले तीन वर्ष प्रदेश, प्रदेश की राजनीति, प्रदेश की जनता और भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व 2024 के अंतर्गत केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रुपाणी जी की विशेष उपस्थिति में आयोजित भाजपा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के निर्वाचन कार्यक्रम में सहभागिता की।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

अशोक मिश्र

एक नया सवेरा

रेनू को आज स्कूल से निकलने में देर हो गई, जिसका कारण था प्रधानाचार्य द्वारा ली गई शिक्षिकाओं की बैठक, जिसमें पठन-पाठन की समस्याओं के साथ अन्य समस्याओं पर चर्चा की गई। क्या करे वह, आज बैठक छोड़ जा भी तो नहीं सकती थी, क्लास टीचर होने के नाते उसका दायित्व कुछ अधिक था। घर पहुँचते-पहुँचते उसे शाम के छह बज गए। वह घर में जैसे ही घुसी तो देखा कि वहाँ सास और ननदों की पंचायत चालू है। मन ही मन उसने सोचा कि करने-कराने के लिए इनके पास कोई काम तो है नहीं, बस दूसरों के घर के चर्चे करना उसमें आनंद उठाना ही इनकी दिनचर्या रह गई है। काम करने और कमाने के लिए मुफ्त की नौकरानी मैं हूँ ही फिर चिंता किसलिए?

उसने कमरे में जाकर कपड़े बदले और फिर बाहर आकर वाश बेसिन में मुँह धोया और तौलिए से पोछने के बाद किचन में जाकर गैस पर चाय का पानी चढ़ा दिया, घड़ी देखी तो शाम के सात बज चुके थे। उसने सोचा कि मुकेश अब आते ही होंगे और चाय के साथ थोड़ा चिप्स तलने में लग गई। रेनू कमाते-खाते मध्यवर्गीय परिवार की बहू है, परिवार के मुखिया का कुछ दिन पहले एक सड़क दुर्घटना में देहांत हो चुका था। उसकी शादी परिवार के एकमात्र लड़के मुकेश के साथ हुई थी जो सबसे बड़े हैं। बाकी दो ननदों की शादी हो चुकी है और एक अविवाहित है। फिर भी घूम-फिरकर उसकी कोई न कोई ननद मायके में ही डेरा जमाए रहती है और इन ननदों और उसकी सास ने मिलकर उसका जीना हराम कर रखा था। कामकाज से इन माँ-बेटियों को कोई मतलब न था। सारा दिन बैठकर टीवी सीरियल देखना और इधर-उधर की चर्चाएँ करना और उसके खिलाफ सास के कान भरना यही काम था।

एकाएक उसके सोचने का क्रम टूटा, देखा तो चाय का पानी उबाल खाकर गिरने लगा था उसे विचारों के क्रम में ध्यान ही न रहा। उसने चाय की पत्ती डालकर दो-तीन उबाल खौलाकर चाय उतार ली और केतली में चाय और ट्रे में कप लेकर खाने की मेज पर पहुँच गई। वह चाय उडेलकर कपों में डाल ही रही थी कि मुकेश आ गए। इतने में उसकी सबसे छोटी ननद चापलूसी के अंदाज में बोली, 'भय्या देखिए, मैंने आपके लिए चिप्स तले हैं।' रेनू मन ही मन कुढ़कर रह गई कारण था कि उसकी सास सामने ही बैठकर उसे तीखी नजरों से घूर रही थी। अपनी बहन की बात सुनकर मुकेश रेनू की ओर देखकर हँसते हुए बोले, 'देखो, मेरी बहनें मेरे खाने-पीने और रुचि का कितना ध्यान रखती है।' यह सुनकर रेनू के तन-बदन में आग लग गई, किंतु वह एक समझदार युवती थी इसीलिए वह घर का माहौल नहीं बिगाड़ना चाहती थी। मुकेश अपनी माँ और बहनों को काफी चाहते थे। यद्यपि रेनू के प्रति उनका बरताव बुरा न था, फिर भी वह माँ और बहन के खिलाफ एक भी शब्द सुनना पसंद ही न करते थे। इसका कारण कुछ भी हो, मगर रेनू को मुकेश की यही एक कमजोरी सबसे खराब लगती थी। 'भैय्या, शाम को खाने में क्या बना लूँ?' छोटी ननद बोली। 'ऐसा करो कि आलू के पराँठे और मटर पनीर की सब्जी बना लो।' मुकेश ने उत्तर दिया।

रेनू मन ही मन भन्ना गई कि पूछ तो ऐसे रही है मानो अभी दस मिनट में सारा काम निपटा देंगी ये माँ बेटी। हकीकत यह है कि इन सबको करना-कराना कुछ भी नहीं है, बस भैय्या की चापलूसी को कह दें या भाभी की चुगली से माँ को कान भरती रहेंगी ये बहनें। मुकेश अपनी माँ की ओर इतना ध्यान देते हैं कि उनकी कहीं कुछ भी बुराई उन सबके व्यवहार में नजर नहीं आती। सच यह था रेनू को इन सबके बीच में गेहूँ के बीच घुन की तरह पिसना पड़ रहा था। क्या करें रेनू घर में रोज महाभारत नहीं करना चाहती, इसीलिए चुप लगा जाती है और फिर उसे घर से बाहर तक खटना पड़ता है। अपने भविष्य और बाल-बच्चों के भविष्य के लिए उसे नौकरी भी करनी ही पड़ती है, सिर्फ मुकेश की कमाई से मुश्किल से घर का खर्च चल सकता है। सुरसा जैसी इस महँगाई में कितनी भी कमाई हो पूरी नहीं पड़ती। उसकी कमाई की वजह से ही सही, घर का स्तर थोड़ा ठीक-ठाक दिखता है। वह तो कहो कैसे भी ससुर जी अपनी जिंदगी में मकान बना गए। मगर उसका भी तो मौका पड़ने पर उसकी सास ताना मार देती हैं। अगर वह इन सबकी बातों पर जाए तो इस घर में एक दिन भी रहना असंभव हो जाए।

चाय पीकर रेनू ने कप, प्लेट, ट्रे आदि समेटकर उठा लिया और चौके में आकर उसे धोकर साफ करने लगी। मगर उसकी दोनों ननदों में से किसी से भी यह न हुआ कि आखिर भाभी थकी-हरी ऑफिस से आती है उसका थोड़ा-सा हाथ बँटा दें। ऊपर से हर काम को लेकर छींटाकशी और ताने मारना तो इनकी आदत में शामिल है। उसकी दोनों विवाहित ननदों में कोई न कोई किसी न किसी बहाने डेरा जमाए ही रहती है और माँ का तो अपनी बेटियों से इतना लगाव है कि बस चले तो दोनों दामादों को घरजमाई बना लें। ऊपर से इन सबकी विदाई पर आने वाला खर्च कुछ कम न था। पिछली बार रेनू ने थोड़ा-सा प्रतिवाद किया था कि माँजी को दीदी लोगों को जल्दी-जल्दी बुलाने की क्या जरूरत है। बस इसी बात पर कोहराम मच गया। माँ जी ने पूरा घर सिर पर उठा लिया, 'मैं कौन-सा तुम्हारी कमाई पर डाका डाल रही हूँ, क्या मेरा अपने बेटे की कमाई पर इतना भी अधिकार नहीं है। तुम कौन होती हो मुझे रोकने-टोकने वाली।' फिर तो घर का माहौल तीन दिन तक बेहद तनावपूर्ण रहा। ऐसे मौके पर मुकेश का एकदम कायरों की भाँति चुप्पी साध लेना रेनू को काफी नागवार गुजरता। मुकेश माँ के आज्ञाकारी पुत्र बने रहते और वह उनकी कमाई को आराम से लुटाती रहती। आखिर कब तक चलेगा यह सब जबकि अभी छोटी ननद के हाथ भी पीले करने हैं।

रेनू के मन में एक विचार आ रहा था तो एक जा रहा था। उसने चौके में आकर प्रेशर कुकर में पराँठे बनाने के लिए आलू चढ़ा दिए और खाना बनाने की तैयारी में लग गई। इतने में छोटी ननद पास आकर बोली, 'मैं तो भाभी चित्रहार देखने जा रही हूँ बाकी काम आप निपटा लेना।' रेनू सोचने लगी कि किस घर में होगा इस लड़की का गुजारा, ससुराल वाले लाकर वापस मायके भेज जाएँगे। लड़की होकर भी घर के कामकाज से ऐसे भागती है जैसे किसी राजा के घर ब्याह होने वाला है, जहाँ दर्जनों नौकर होंगे।

खैर यह सब कोई एक दिन की समस्या नहीं है बल्कि आए दिन की बात है, यह सोचकर उसने अपने मन-मस्तिष्क में चल रही विचारों की श्रृंखला से बाहर आकर एक चूल्हे पर सब्जी चढ़ाकर पराँठे सेंकने में लग गई। इधर उसने खाना मेज पर लगाया कि उधर सब खाने बैठ गए, सबको परोसने-खिलाने के बाद जो कुछ बचा उसे खाकर वह उठ गई। रात में चौका-बर्तन कर सारा काम निपटाकर जब वह अपने बेडरूम में पहुँची तो रात के दस बज चुके थे। मुकेश जग रहे थे और उनके हाथ में कोई पत्रिका थी जिसे वह पढ़ रहे थे, उसे देखकर बोले, 'आज तो तुमने काफी देर लगा दी।'

'जल्दी आ जाती तो घर का सारा काम कौन करता।' रेनू ने उत्तर दिया। 'क्या घर में माँ और छोटकी हाथ नहीं बँटाती। कामकाज में तुम्हारा?' 'कभी हाथ बँटाया है कि आज बँटाती।' रेनू ने उत्तर दिया। 'तुम क्या झूठ बात करती हो, मेरे सामने तो सब तुम्हारी खूब मदद करती हैं।' 'बस उतनी ही देर जितनी देर आप घर में रहते हैं।' 'मुझे तो ऐसा नहीं लगता।' मुकेश ने उत्तर दिया। रेनू इस पर चुप लगा गई कि बात आगे न बढ़ने पाए। यह कोई एक दिन की बात न थी बल्कि रोज-रोज की चख-चख और खिच-खिच थी। फिर रेनू और मुकेश बातें करते हुए थककर कब सो गए किसी को पता ही नहीं चला।

रेनू जब सुबह सोकर उठी तो देखा कि भोर की किरण खिड़की के रास्ते घर में प्रवेश कर रही है। वह जल्दी से उठकर बाथरूम की ओर चल दी, क्योंकि उसे पता था कि सास और ननद में से कोई भी सुबह जल्दी सोकर उठने वाली नहीं थी, जबकि उसे चाय, नाश्ता, सब कुछ तैयार कर स्कूल भी जाना था। इतना काम करने और घर-भर की गुलामी करने के बावजूद सास और ननदें उससे मुँह फुलाए रहती हैं। इन सबकी यही इच्छा रहती है कि वह अपना पूरा वेतन इन्हीं सबको समर्पित कर दे तब ये माँ-बेटियाँ खुश रहें। सुबह का खाना बनाकर मुकेश को दफ्तर भेजने के बाद रेनू भी स्कूल के लिए चल दी।

शाम को स्कूल से लौटने के बाद घर की छत पर सूखने के लिए डाले गए कपड़ों को उठाकर वह लौट ही रही थी कि एकाएक न जाने कैसे उसका पैर सीढ़ियों से फिसला और वह सात-आठ सीढ़ियाँ लुढ़ककर धड़ाम से नीचे आ गिरी।

रेनू की ननद और सास वहीं बरामदे में बैठकर बात कर रही थी कि छोटी ननद जोर से चिल्लाई, 'अरे अम्माँ, जल्दी आओ, दौड़ो, किसी डॉक्टर को बुलाओ भाभी छत से गिर गई हैं, उनका सिर भी फट गया है, जल्दी करो, वर्ना हम भैय्या को मुँह दिखाने के काबिल भी न रहेंगे।' पूरे घर और पड़ोस में कोहराम मच गया, जिसने भी सुना, सबसे पहले दौड़कर आया और एंबुलेंस बुलाकर रेनू को लादकर तुरंत अस्पताल पहुँचाया गया। मोहल्ले के किसी व्यक्ति ने मुकेश को दफ्तर फोन करके जानकारी दी, वह भी घबराए हुए अस्पताल पहुँचे। डॉक्टर ने तुरंत रेनू को आपातकालीन वार्ड में भिजवाया और उसका इलाज शुरू हो गया, सिर में अधिक चोटें आने से चार-पाँच टाँके भी लगाने पड़े। कुछ देर बाद डॉक्टर ने मुकेश को बताया कि दाहिना पैर भी उखड़ गया है और उस पर प्लास्टर चढ़ाना होगा। देर रात तक रेनू को उपचार चलता रहा।

रात गए पाँच-छह घंटे बीतने के बाद रेनू को होश आया। डॉक्टर ने तुरंत रेनू के परिवार वालों को इत्तला दी कि मरीज को होश आ गया है अब आप मिल सकते हैं। रेनू ने कराहते हुए पूछा, 'मैं कहाँ हूँ, मुझे क्या हुआ है?' 'तुम्हें कुछ नहीं हुआ है।' उसके माथे पर हाथ फेरते हुए मुकेश ने जवाब दिया।

तीन दिन पश्चात डॉक्टर ने रेनू को अस्पताल से रिलीव कर दिया और मुकेश के साथ खड़ी माँ को सख्त हिदायत दी, अब बहू को कम से कम 3 माह पूरा बेडरेस्ट करना होगा और मरीज को प्रतिदिन दूध-फल-जूस आदि भी दिया जाए।

मुकेश ने फिर टैक्सी बुलाकर किसी तरह लादकर रेनू को घर पहुँचाया और उसे अपने बेडरूम में सुलाया और छोटी बहन को आवाज देकर रेनू का बिस्तर खिड़की के किनारे लगा दिया जिससे हवा और प्रकाश भी कमरे में आता रहे और रेनू जब चाहे बाहर के दृश्य भी देख सके।

इधर रेनू के तीन माह तक लगातार बेडरेस्ट करने की बात सुनकर उसकी सास छोटी बेटी से बोली, 'बेटी, अब क्या और कैसे होगा, मैं कुछ करना भी चाहती थी तो तू मुझे मना कर देती थी अब तो सारी आफत सिर पर आ ही गई ना।'

दूसरे दिन सुबह मुकेश को दफ्तर जाना था। माँ ने दाल-चावल बनाकर रख दिए थे। मुकेश को यह सब पसंद न था। उसका मन सब्जी-रोटी के बिना भरता ही न था। खैर मुकेश ने थोड़ा-सा खाना खाकर दफ्तर का रास्ता लिया। पिछले पंद्रह दिनों से मुकेश देख रहा था कि घर की सारी व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

कोई भी काम अपने समय से पूरा नहीं होता, न ढंग का नाश्ता, न ढंग का खाना बनता, पूरे घर में गंदे बर्तन और कपड़े इधर-उधर पड़े रहते थे। घर में कई जगह धूल जम गई थी और तो और ऐसा लगता था कि पूरा घर जैसे एक कूड़े के ढेर में बदल गया हो। जबकि यही सब और सारे काम रेनू बिजली की फुर्ती के साथ कर दिया करती थी। आखिर एक दिन मुकेश ने भन्नाकर माँ से कह ही दिया, छोटी बहन भी वहीं खड़ी थी, 'माँ, इन दिनों आखिर इस घर को क्या हो गया है, कोई भी काम समय पर नहीं होता। आखिर पहले कौन करता था सारा काम? कैसे समय पर नाश्ता, खाना, कपड़े-लत्ते धुलना, सफाई पोछा और घर का हर सामान अपनी जगह पर तरीके से सजा हुआ मिलता था, जबकि आज देखो तो पूरा घर अस्त-व्यस्त दिखता है। न कहीं झाड़ू न कहीं पोंछा, हर सामान अपनी जगह से गायब, इधर-उधर धूल की पर्तें, गंदे कपड़े और गंदे बर्तनों में भिनभिनाती मक्खियाँ, आखिर ये घर है या बूचड़खाना। भैय्या, आखिर हम लोग कोशिश तो पूरी करते हैं, फिर भी थोड़ी कमी तो रह ही जाती है ना छोटी बहन ने उत्तर दिया।

अब माँ और बेटी मुकेश से कैसे कहतीं कि अभी तक तो वे बहू की छाती पर मूँग दल रही थीं और हरामखोरी करती थीं। आखिर तो मुकेश के सामने पोल-पट्टी खुलनी ही थी, मुकेश को अब सब समझ में आ गया कि रेनू हमेशा सही कहती थी। एक दिन रेनू की सास चौके में खाना बना रही थीं, जबकि उस दिन उनकी तबीयत ठीक न थी, फिर भी छोटी बिटिया से यह न हुआ कि वह माँ की मदद करे। उन्होंने जब उसे थोड़ी मदद के लिए बुलाया तो बिटिया रानी टी.वी. पर आ रही 'लव स्टोरी' पिक्चर का आनंद ले रही थी। उसने वहीं से जवाब दिया, 'क्या अम्माँ! जरा से काम के लिए तुमने आसमान सिर पर उठा रखा है अभी मैं पिक्चर छोड़कर नहीं आ सकती। काम के लिए अपना पिक्चर का मजा बेकार नहीं कर सकती। जरा-सा काम क्या करना पड़ा कि मेरी नाक में दम करके रख दिया है अम्माँ ने।' बुदबुदाते हुए छोटी बेटी ने कहा।

अपनी ही जायी संतान का टके-सा उत्तर सुनकर माँ का चेहरा उतर गया। उन्हें हल्की सी रुलाई आ गई। 'जरा से काम के लिए अपनी ही बेटी ने जवाब दे दिया आखिर क्या फायदा इन औलादों से।' वह बुदबुदाई। इसके बाद चौके में ही खड़ी-खड़ी माँ सोचने लगी कि बहू ने आज तक किसी काम के लिए मना नहीं किया, हरदम माँजी, माँजी कहते उसकी जुबान घिसती है। इन्हीं बेटियों के बहकावे में मैंने कभी भी उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। मदद तो दूर मैं उस पर छींटाकशी करने से भी नहीं चूकती। अब तो वह बेचारी बिस्तर पर पड़ी है उसके साथ ज्यादती करना भी बहुत बड़ा गुनाह होगा। माँ के सोचने का क्रम चलता रहा कि आखिर बहू भी तो किसी की बेटी है, फिर उसने इस घर को सजाने-सँवारने के लिए क्या नहीं किया। मुकेश के साथ कंधे मिलाकर इस घर की बेहतरी के लिए कमाकर भी लाती है और एक यह छोटकी है जो न पढ़ती है न लिखती है, सारा दिन टीवी पर अंट-शंट पिक्चरें देखती है। ऊपर से बहू के प्रति मेरे कान भी भरती रहती है। कल को जहाँ छोटकी की शादी हुई नहीं कि वह फुर्र से चिड़िया की तरह उड़कर ससुराल चल देगी। फिर कौन करेगा मेरी देखभाल! भगवान न करे कि कहीं मेरे साथ कोई हादसा हो जाए तो सिवा बहू के कोई नहीं साथ देने वाला। बेटियाँ तो दो-चार दिन के लिए आकर खिसक लेंगी, काम तो आएगी बहू ही, फिर तो असली बेटी बहू ही हुई। मगर इस छोटकी को तो दूसरे के घर जाना है कुछ तो गुण-ढंग सीखना चाहिए। अब मुझे ही कुछ करना होगा। माँ खुद से वार्तालाप करते हुए कामकाज निपटाती जा रही थी।

अब माँ ने रेनू की देखभाल कायदे से शुरू कर दी, समय पर दवा, चाय, फल जूस आदि और पास में बैठकर बातचीत करना। तीसरा महीना खत्म होते-होते रेनू के पैर का प्लास्टर कट गया और स्वास्थ्य भी सुधर गया था, फिर भी अभी डॉक्टरों ने घर का कामकाज करने से मनाकर रखा था। रेनू दूसरे दिन सुबह उठकर चाय बनाने को चली तो माँ ने उसका हाथ पकड़कर बैठा दिया और छोटकी को आदेश देते हुए बोली, 'आज से घर का सारा काम तू सँभालेगी और खाना-पीना, चाय-नाश्ता भी।' छोटकी बोली, 'पर अम्माँ, मुझे तो कुछ आता ही नहीं। कैसे करूँगी मैं ये सारा काम।' तुझे सब कुछ सीखना होगा चार दिन बाद तुझे पराए घर जाना है।' माँ आदेश देते हुए बोली।

छोटकी परेशान थी कि आखिर माँ को क्या हो गया है, क्यों वह एकाएक भाभी की तरफदारी करने लगी है। आज तक तो कभी भी मुझसे कुछ नहीं कहा। अगले दिन घर में शाम को खाने की मेज पर बड़ा खुशनुमा माहौल था – मुकेश, रेनू, माँजी बैठे हुए थे और छोटकी सबको खाना परोसकर खिला रही थी। इतने में मुकेश ने अम्माँ से पूछा, 'अम्माँ, आज तो छोटकी काफी मेहनत कर रही हैं? माँ ने उत्तर दिया, 'मेहनत कर रही है तो कौन-सा हम पर अहसान कर रही है। आखिर तो इसे पराए घर जाना ही है। फिर रेनू की टाँग तो इसी के काम न करने से टूटी थी।' माँ का उत्तर सुनकर मुकेश और रेनू एक-दूसरे की ओर देखकर अर्थपूर्ण ढंग से मुस्कुराए। फिर भी रेनू की समझ में न आ रहा था कि आखिर माँजी की सोच और छोटकी में इतना बड़ा परिवर्तन कैसे आ गया। उधर, माँ को रेनू की दुर्बलता से एक नसीहत मिल गई थी। रेनू जहाँ परिवार में परिवर्तन देखकर 'एक नया सवेरा' का अहसास कर रही थी वहीं मुकेश भी हौले-हौले मुस्कुरा रहे थे।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

सामान्य लोग, असामान्य बातें !

सुबह का समय है। गाय का थैलीबंद दूध लेने के लिए रोज़ाना की तरह पैदल रवाना हुआ। यह परचून की एक प्रसिद्ध दुकान है। यहाँ हज़ारों लीटर दूध का व्यापार होता है। मुख्य दुकान नौ बजे के लगभग खुलती है। उससे पूर्व सुबह पाँच बजे से दुकान के बाहर क्रेटों में विभिन्न ब्रांडों का थैलीबंद दूध लिए दुकान का एक कर्मचारी बिक्री का काम करता है।

दुकान पर पहुँचा तो ग्राहकों के अलावा किसी नये ब्रांड का थैलीबंद दूध इस दुकान में रखवाने की मार्केटिंग करता एक अन्य बंदा भी खड़ा मिला। उसके काफी जोर देने के बाद दूधवाले कर्मचारी ने भैंस के 50 लीटर दूध रोज़ाना का ऑर्डर दे दिया। मार्केटिंग वाले ने पूछा, गाय का दूध कितना लीटर भेजूँ? ....गाय का दूध नहीं चाहिए। इतना नहीं बिकता, उत्तर मिला।...ऐसे कैसे? पहले ही गायें कटने लगी हैं। दूध भी नहीं बिकेगा तो पूरी तरह ख़त्म ही हो जायेंगी। गाय बचानी चाहिए। हम ही लोग ध्यान नहीं देंगे तो कौन देगा? चाहे तो भैंस का दूध कुछ कम कर लो पर गाय का ज़रूर लो।....बात तो सही है। अच्छा गाय का भी बीस लीटर डाल दो। ..संवाद समाप्त हुआ। ऑर्डर लेकर वह बंदा चला गया। दूध खरीद कर मैंने भी घर की राह ली। कदमों के साथ चिंतन भी चल पड़ा।

जिनके बीच वार्तालाप हो रहा था, उन दोनों की औपचारिक शिक्षा नहीं के बराबर थी। अलबत्ता जिस विषय पर वे चर्चा कर रहे थे, वह शिक्षा की सर्वोच्च औपचारिक पदवी की परिधि के सामर्थ्य से भी बाहर था। वस्तुतः जिन बड़े-बड़े प्रश्नों पर या प्रश्नों को बड़ा बना कर शिक्षित लोग चर्चा करते हैं, सेमिनार करते हैं, मीडिया में छपते हैं, अपनी पी.आर. रेटिंग बढ़ाने की जुगाड़ करते हैं, उन प्रश्नों को बड़ी सहजता से उनके समाधान की दिशा में सामान्य व्यक्ति ले जाता है।

एक सज्जन हैं जो रोज़ाना घूमते समय अपने पैरों से फुटपाथ का सारा कचरा सड़क किनारे एकत्रित करते जाते हैं। सोचें तो पैर से कितना कचरा हटाया जा सकता है..! पर टिटहरी यदि रामसेतु के निर्माण में योगदान दे सकती है तो एक सामान्य नागरिक की क्षमता और उसके कार्य को कम नहीं समझा जाना चाहिए।

आकाश की ओर देखते हुए मनुष्य से प्राय: धरती देखना छूट जाता है। जबकि सत्य यह है कि सारा बोझ तो धरती ने ही उठा रखा है। धरती की ओर मुड़कर और झुककर देखें तो ऐसे लोगों की कमी नहीं जो अपने-अपने स्तर पर समाज और देश की सेवा कर रहे हैं।

इन लोगों को किसी मान-सम्मान की अपेक्षा नहीं है। वे निस्पृह भाव से अपना काम कर रहे हैं। युवा और किशोर पीढ़ी, वर्चुअल से बाहर निकल कर अपने अड़ोस-पड़ोस में रहनेवाले इन एक्चुअल रोल मॉडेलों से प्रेरणा ग्रहण कर सके तो उनके समय, शक्ति और ऊर्जा का समाज के हित में समुचित उपयोग हो सकेगा। सोचता हूँ, सामान्य लोगों की असामान्य बातों और तदनुसार क्रियान्वयन पर ही जगत का अस्तित्व टिका है।

बोध कथा

न भूतो न भविष्यति

यों भी मैं ठीक तरह से साइकिल चला नहीं पाता हूं और उस पर रात के समय कभी चलायी भी हो, ऐसा याद नहीं। वह भी इस हाड़कंपाती ठंड में। शरीर का निचला हिस्सा मानो जमकर पत्थर का बन चुका है। पैडल मारना ही अत्यंत दुष्कर है। उस पर मेरा कद भी छोटा है। पैर के अंगूठे से ही किसी प्रकार चला पाता हूं। अंधेरे में बड़ी दिक्कत हो रही थी। डर रहा था कि कहीं गिर न पड़ूं। ठंड में दांत किटकिटा रहे हैं। हालांकि, एक गर्म शाल भी ओढ़े हुए हूं, परंतु उससे क्या ठंड से निजात मिल सकती है? समयानुसार रात अधिक नहीं बीती थी लेकिन शीतकाल होने के कारण अंधेरा बहुत पहले ही व्याप्त हो चुका था। इसे और भी अधिक रहस्यमयी बना रही थी यह धुंध। राह पर एक किनारे से दूसरे किनारे तक मानो धुंध ने अपनी छतरी तान रखी हो। सड़क सूनसान। किनारे-किनारे बबूल की झाड़ियों का सघन वन। इसी से लगकर बहता हुआ संकीर्ण अलसाया नाला सन्नाटे को बुरी तरह अपने घेरे में ले रखा है। रास्ते के दोनों ओर नंगे खेत। धान काट लिए जाने के बाद उसकी बची हुई पुआल। शायद एक-दो सियार अभी-अभी वहां से गुजरे हैं, जिनकी सरसराहट कानों में पड़ी। मैं चौंककर उधर देखने वाला ही था कि साइकिल लड़खड़ा गई। गिरने ही वाला था कि उतरकर मैंने किसी तरह उसे संभाल लिया। फिर बड़ी मुश्किल से चढ़ पाया क्योंकि मैं पैडल पर पांव रखकर चढ़ नहीं पाता हूं। कोई ऊंचा स्थान देखकर ही उसके सहारे सवार होता हूं। कुछ दूर पैदल चलने पर ऐसी एक जगह मिली। यों भी अस्पताल में मेरे लिए ईंट से एक स्थान विशेषकर ऊंचा किया गया है और घर पहुंचने पर एक उठान पर पैर टिकाकर उतरता हूं। सवार भी उसी के सहारे होता हूं। आज अचानक अंतिम समय में रतनपुर का वह व्यक्ति अस्पताल में आकर मिन्नतें करने लगा कि उसकी बछिया की चिकित्सा करनी ही होगी अन्यथा वह मर जाएगी। उसकी पीठ पर बड़े-बड़े घाव हो गए हैं। मैं साधारणतया पशु चिकित्सालय छोड़कर कहीं नहीं जाता परंतु वह व्यक्ति मेरे पीछे हाथ धोकर कुछ इस तरह पड़ गया मानो उसकी बेटी घोर संकट में हो। जिस तरह वह बछिया का नाम लेकर क्रंदन कर रहा था कि मेरा हृदय पसीज गया। मैंने कई दिनों से इस तरह किसी का अपने मवेशियों के प्रति प्रेम को नहीं देखा, इसलिए अधिक सोच-विचार न करता हुआ सरकारी पशु-चिकित्सालय बंद कर उस व्यक्ति के साथ साइकिल लेकर रतनपुर के लिए रवाना हो गया। वह बड़ी श्रद्धा से मुझे डाक्टर बाबू-डाक्टर बाबू कहे जा रहा था और मुझे भी इस पर गर्व महसूस हो रहा था वरना पशु चिकित्सालय के मुझ जैसे एक साधारण सहायक की लोग कहां कद्र करते हैं।

बछिया के जख्म गहरे थे परंतु घबराने वाली कोई बात नहीं थी। मैं उसकी मरहम-पट्टी करने में निमग्न हो गया। यों भी जब मैं अपने काम में जुट जाता हूं तो समय का ख्याल ही नहीं रहता। मेरी पत्नी भी इसी कारण मुझे भला-बुरा कहती रहती है। उसकी तो आदत ही है। साढ़े चार फुट के कद के चलते मैं सारा जीवन उसकी ही सुनता आ रहा हूं। कुछ भी करूं, लोग भी मेरा मजाक उड़ाते रहते हैं परंतु मैं अब किसी की परवाह नहीं करता। अगले जन्म में मेरा कद ऊंचा हो, हरदम ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं। पत्नी लंबी इसलिए स्वीकारी ताकि बच्चे लंबे हों। मुझसे कम-से-कम एक हाथ लंबे। पत्नी का जो कद है, मैं हामी नहीं भरता तो उसका विवाह ही नहीं हो पाता। फिर भी सारा दिन चिंचियाती रहती है। मन-ही-मन प्रतिज्ञा कर चुका हूं कि अगले जन्म में मैं अगर लंबा हुआ भी तो इससे विवाह नहीं करूंगा। लौटते समय ध्यान से साइकिल चला रहा था। शुरू में ऐसा ही करता हूं। मैं ठीक से साइकिल चला नहीं पाता हूं, इसीलिए शुरू के दो-तीन सौ मीटर का विशेष ध्यान रखता हूं। यह समय मेरे लिए बहुत अहमियत रखता है। ध्यान से नहीं चलाऊं तो ऐसी आशंका बनी रहती है कि मैं गिर पड़ूंगा। यह समय गुजर जाने के बाद तो ऐसा लगता है कि रास्ते के किनारे के पेड़ पक्षियों की तरह उड़े जा रहे हैं और मैं संकीर्ण नाले पर रखे फट्टे पर से होकर बेझिझक मस्ती में उसे पार कर जाता हूं। फिर भी नीचे पानी की धार देखते ही मुझे गिरना हो तो अक्सर गिर ही पड़ता हूं। मेरे जैसा छोटे कद का, जो साइकिल ठीक से चला नहीं पाता है, उससे उम्मीद ही क्या की जा सकती है। आज भी मैं गिरने को हुआ। गिरकर बेहोश होना ही उचित है और इस समय यही शांतिदायक होता है परंतु आज मैं चाहकर भी न तो गिरा और न बेहोश हो सका। मैं स्वाभाविक रूप से साइकिल चलाए जा रहा था और मुझे आनंद भी बड़ा आ रहा था। पीछे से मानो कोई प्रकाश दिखाकर मेरी राह आसान किए जा रहा हो। मैं गुनगुनाता हुआ मस्ती में घर लौट रहा था।

वीर गाथा

कैप्टन मान बहादुर रायः इनके सामने दुश्मन की एक न चली, तोड़ दी विद्रोही संगठनों की कमर

कैप्टन मान बहादुर राय का जन्म 10 जनवरी, 1914 को दार्जिलिंग में हुआ था। वे 17 जुलाई, 1930 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें 10वीं गोरखा राइफल्स की पहली बटालियन में शामिल किया गया था। वे भारत की आजादी के बाद 11वीं गोरखा राइफल्स में शामिल हुए थे।

कैप्टन राय ने 3 मई, 1961 को नागालैंड में एक विद्रोह के खिलाफ प्लाटून की कमान संभालते हुए वीरता का जो प्रदर्शन किया, वह इतिहास में अमिट रहेगा। उन्होंने घने जंगल, दुर्गम पहाड़ियों और कई खाइयों को पार करते हुए विद्रोहियों के खिलाफ धावा बोला था।

कैप्टन राय ने अप्रैल 1961 के आखिर में अपनी प्लाटून के साथ देर रात घने अंधेरे में दुश्मन के दो अड्डों पर जोरदार हमला किया था। इससे विद्रोहियों को भारी नुकसान हुआ था। कई विद्रोही वहां से जान बचाकर भाग गए थे।

इसी तरह, कैप्टन राय ने 3 मई को एक मजबूत अड्डे पर हमला किया था। वह इलाका खड़ी ढलान पर स्थित था, जहां पहुंचना ही बहुत मुश्किल था, लेकिन उस कार्रवाई में सेना को बड़ी सफलता मिली थी।

अड्डे में विद्रोही बड़ी मजबूत स्थिति में थे। जो कोई उनकी ओर आता, वे उसे आसानी से देख सकते थे। उन्हें ढलान का भी फायदा हासिल था। ऐसे में कैप्टन राय अपने जवानों को घने झाड़ियों के बीच से रेंगते हुए ले गए और लक्ष्य पर गोलीबारी की। उन्होंने दो हथगोले फेंक कर दुश्मन को अचंभित कर दिया था। दो विद्रोही तो तुरंत ढेर हो गए थे।

उस कार्रवाई से विद्रोहियों में भगदड़ मच गई। उनके 10 लोग मारे गए और हथियारों का भारी नुकसान हुआ था। कैप्टन राय के नेतृत्व में अंजाम दी गई वह कार्रवाई बहुत असरदार साबित हुई। उससे विद्रोही संगठनों की कमर टूट गई थी।

कैप्टन मान बहादुर राय ने ऐसी अनेक कार्रवाइयों में असाधारण वीरता, शानदार नेतृत्व और अदम्य साहस का परिचय दिया था। उन्हें इसके लिए अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था। वे सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद असम के जोरहाट में बस गए थे। वहां 14 फरवरी, 2011 को 97 साल की उम्र में स्वर्गवास हुआ।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का शनिवार को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में गुरुकुल प्राकृतिक कृषि फार्म में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

हमास चरमपंथियों की ओर से सौंपा गया शव इजराइली महिला शिरी बिबास का है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। फलस्तीन के चरमपंथियों ने जिस महिला का शव सौंपा है वह दो छोटे बच्चों की मां एवं इजराइली नागरिक शिरी बिबास का है।परिवार ने इस बात की पुष्टि की है। इससे पहले हमास ने कहा था कि बिबास और उसके दो बेटों सहित एक अन्य बंधक के शव बृहस्पतिवार को इजराइल को सौंप दिए गए थे। जांच में तीन शवों की पुष्ट हो गई लेकिन महिला के शव को लेकर संदेह व्यक्त किया गया था और कहा गया था वह किसी अज्ञात फलस्तीनी महिला का था।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे समझौते का क्रूर और दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन करार दिया था और बदला लेने का प्रण किया है वहीं हमास ने कहा कि यह एक गलती थी। तनाव बढ़ने के साथ ही फलस्तीनी चरमपंथियों ने शुक्रवार देर रात कहा कि उन्होंने सही शव रेड क्रॉस को सौंप दिया है । शनिवार सुबह शव की पहचान की पुष्टि की गई।

शिव भक्त

हरिद्वार में महाशिवरात्रि से पहले रंग-बिरंगी कांवड़ लेकर हर की पौड़ी पर एकत्रित हुए शिव भक्त।

फिल्म मिराई एक अगस्त को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता तेजा सज्जा की फिल्म 'मिराई' एक अगस्त, 2025 को रिलीज होगी। पीपल मीडिया फैक्ट्री ने एक्शन-थ्रिलर तमाशा 'मिराई' की रिलीज डेट की घोषणा की है। फिल्म मिराई एक अगस्त, 2025 को दुनिया भर में रिलीज होगी। तेजा सज्जा की यह फिल्म कार्तिक गट्टमनेनी द्वारा निर्देशित और सम्मानित टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद द्वारा निर्मित है।यह फिल्म एक निडर योद्धा की कहानी पर आधारित है जिसे नौ पवित्र ग्रंथों की रक्षा करने का काम सौंपा गया है।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट लुइस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने इसकी घोषणा की। रामगुलाम ने इसे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों का प्रमाण बताया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम ने शुक्रवार को 'नेशनल असेंबली' को संबोधित करते हुए कहा, यह हमारे देश के लिए वास्तव में एक विशेष सम्मान की बात है कि (प्रधानमंत्री मोदी के) इतने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद हमें ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करने का अवसर मिलेगा।'' हर साल 12 मार्च को मॉरीशस अपना राष्ट्रीय दिवस मनाता है। इसे 12 मार्च, 1968 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी।

रामगुलाम ने कहा, मुझे हमारे देश की स्वतंत्रता की 57वीं वर्षगांठ के समारोह के संदर्भ में सदन को यह सूचित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि मेरे निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री महामहिम नरेन्द्र मोदी ने हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने भारतीय नेता के व्यस्त कार्यक्रम का जिक्र करने के लिए मोदी की हाल की पेरिस और अमेरिका यात्राओं का भी उल्लेख किया। रामगुलाम ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में पिछले साल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं।

ढाका में पत्नी के सामने बीएनपी नेता की पीटकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। ढाका में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक नेता को उसके प्रतिद्वंद्वियों ने उसकी पत्नी के सामने पीटकर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। डेली स्टार बांग्लादेश की खबर में कहा गया कि बीएनपी की कुल्ला यूनियन इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद बाबुल मियां की शुक्रवार दोपहर उस समय हत्या कर दी गई जब वह और उनकी पत्नी धामराई उपजिला के अक्षिरनगर हाउसिंग के पास सरसों की कटाई कर रहे थे।

बाबुल की पत्नी यास्मीन बेगम ने कहा कि ग्रामीणों का अक्षिरनगर हाउसिंग, एक रियल एस्टेट व्यवसाय को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। उन्होंने आरोप लगाया, हालांकि मेरे पति इस मामले में शामिल नहीं थे, लेकिन स्थानीय अपराधी अफसर, अरशद और मोनिर कई दिनों से हम दोनों को धमका रहे थे।

यास्मीन ने कहा, उन्होंने उसे डंडों और एसएस पाइपों से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने उसकी दोनों आंखें भी फोड़ दीं। जब मैंने और कुछ स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव करके उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें रोक दिया। उसके बेहोश हो जाने के बाद ही वे वहां से गए। बाद में बाबुल को सावर इनाम मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। धमराई पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी मोनिरुल इस्लाम ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि बाबुल की हत्या पूर्व विवाद के चलते की गई।

अधिकारी ने बताया, शव को अस्पताल से निकालकर मुर्दाघर भेजने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। यास्मीन ने कहा कि वह इस घटना की तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराएंगी।

फिल्म 'ओडेला 2' का टीजर रिलीज

प्रयागराज/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की आने वाली फिल्म ओडेला 2 का टीजर रिलीज हो गया है। तमन्ना भाटिया ने 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन किया और अब वह एक बार फिर बड़े पर्दे पर प्रशंसकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। वह अपनी अगली बड़ी फिल्म ओडेला 2 की रिलीज के लिए तैयार हैं। तमन्ना द्वारा इस प्रोजेक्ट की घोषणा किए जाने के बाद से ही प्रशंसक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और अपनी उत्सुकता साझा कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में फिल्म का पोस्टर जारी किया, जिसमें उनका आकर्षक नागा साधु अवतार दिखाया गया और खुलासा किया गया कि टीज़र 22 फरवरी को महाकुंभ में लॉन्च किया जाएगा। तमन्ना ओडेला 2 का भव्य टीज़र जारी करने के लिए महाकुंभ मेले में पहुंचीं।

ओडेला 2 का निर्देशन अशोक तेजा ने किया है और इसका निर्माण संपत नंदी टीमवर्क्स ने किया है। तमन्ना ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ से फिल्म का टीजर रिलीज किया है। टीजर में तमन्ना रौद्र रूप दिखाती नजर आईं हैं। तमन्ना भाटिया ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर कर 'ओडेला 2' के टीजर जारी होने की सूचना दी है। उन्होंने लिखा है, 'जब शैतान वापस आता है, तो दैवीय शक्ति अपनी भूमि और अपनी विरासत की रक्षा के लिए आगे आती है'। फिल्म जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि, रिलीज डेट का जिक्र नहीं किया गया है। फिल्म 'ओडेला 2', वर्ष 2021 की हिट 'ओडेला रेलवे स्टेशन' की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी है। इस फिल्म में तमन्ना भाटिया ने नागा साधु की भूमिका निभाई है।

प्रशांत नील की फिल्म में नजर आएंगे जूनियर एनटीआर

मुंबई/एजेन्सी

मैन ऑफ मासेस जूनियर एनटीआर दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक प्रशांत नील की फिल्म में नजर आयेंगे। जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। आरआरआर से ग्लोबल स्टार बने जूनियर एनटीआर अ ब के जी 1, के जीएफ 2 और सलार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक प्रशांत नील के साथ एक ग्रैंड स्केल एक्शन ड्रामा में नजर आने वाले हैं। इस बड़े बजट की फिल्म को प्रतिष्ठित मइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसका टेंटेटिव टाइटल एनटीआरनील रखा गया है। कहा जा रहा है कि इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए मेकर्स ने करीब 360 करोड़ रूपये का बजट तय किया है।इस बीच, इस फिल्म की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में शुरू हो गयी है, जहां प्रशांत नील ने जबरदस्त एक्शन सीन शूट किया। इस सीन को असली दिखाने के लिए करीब तीन हजार जूनियर आर्टिस्ट्स को शामिल किया गया, जिससे एक बड़े पैमाने पर दंगे का सीन क्रिएट किया गया।मेकर्स इस सीन को धमाकेदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, और ये दर्शकों को सीट से बांधकर रखने वाला है। जूनियर एनटीआर इस शेड्यूल में नहीं थे, लेकिन मार्च 2025 से शुरू होने वाले अगले शेड्यूल में वह टीम को जॉइन करेंगे।

कहा जा रहा है कि जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की इस मच अवेटेड एक्शन फिल्म का टाइटल ड्रैगन हो सकता है और इसे नौ जनवरी 2026 को ग्रैंड तरीके से रिलीज़ किया जाएगा। माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की तरह ही एक मेगा स्केल पर बनाई जा रही है। इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स कल्याण राम नंदमुरी, नवीन यरनेनी, रवि शंकर यलमांचिली और हरी कृष्णा कोसाराजु हैं।

प्रधानमंत्री का 'छावा' की प्रशंसा करना अत्यंत सम्मान की बात : विक्की कौशल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता विक्की कौशल ने कहा है कि इतिहास पर आधारित उनकी एक्शन 'ड्रामा' फिल्म 'छावा' की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई प्रशंसा से वह बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। मोदी ने शुक्रवार को 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन (एबीएमएसएस) के उद्घाटन समारोह में कहा था कि मुंबई समेत महाराष्ट्र ने मराठी फिल्मों और हिंदी सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

मोदी ने इस दौरान फिल्म के बारे में कहा, और इन दिनों तो 'छावा' की धूम मची हुई है। फिल्म ने पिछले सप्ताह सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से विश्व स्तर पर 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। 'छावा' में कौशल

छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में हैं जो मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र थे।

कौशल ने मोदी के वीडियो के साथ सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, इस सम्मान को शब्दों में बयान नहीं कर सकता। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभारी हूं। फिल्म में येसुबाई का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने भी 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद नरेन्द्र मोदी जी, यह वास्तव में बड़ा सम्मान है।'' 'छावा' का निर्माण फिल्म निर्माता दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स' ने किया है और बैनर ने भी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम 'हैंडल' पर मोदी की एक क्लिप साझा की है। स्टूडियो ने कहा, एक ऐतिहासिक सम्मान! माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने छावा' की सराहना की और छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान एवं विरासत का सम्मान किया। यह बहुत गर्व की बात की है।'' इसने कहा, हम अपार कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। फिल्म की पूरी टीम यह विशेष उल्लेख किए जाने से अभिभूत है।''

'छावा' को गोवा और मध्यप्रदेश में कर-मुक्त घोषित किया गया है। इसमें अक्षय खन्ना, डायना पेंटी, विनीत कुमार सिंह और आशुतोष राणा ने भी अहम किरदार निभाए हैं।

फिल्म 'छावा' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया कोहराम, कमाई 219 करोड़ के पार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की फिल्म छावा ने पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में 219 करोड़ की शानदार कमाई कर ली है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनीं फिल्म छावा में विक्की कौशल , रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना की अहम भूमिका है। इस फिल्म में विक्की कौशल, महान मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में हैं, वहीं रश्मिका मंदाना संभाजी महाराज की पत्नी येसूबाई की भूमिका में हैं। लक्ष्मण उटेकर के निर्देशन में बनीं फिल्म छावा के निर्माता दिनेश विजान हैं। यह फिल्म 14 फरवरी को रिलीज हुई है। इस फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से भी काफी प्रशंसा मिल रही है।फिल्म 'छावा' सिनेमाघरों में धमाकेदार कमाई कर रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत शानदार ओपनिंग से की थी।सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, पहले दिन फिल्म छावा ने भारतीय बाजार में 31 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। फिल्म छावा ने दूसरे दिन 37 करोड़, तीसरे दिन 48.5 करोड़, चौथे दिन 24 करोड़, पांचवे दिन 25.25 करोड़, छठवें दिन 32 करोड़ और सातवें दिन 22 करोड़ की कमाई की। इस तरह फिल्म ने सात दिनों में भारतीय बाजार में 219.75 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

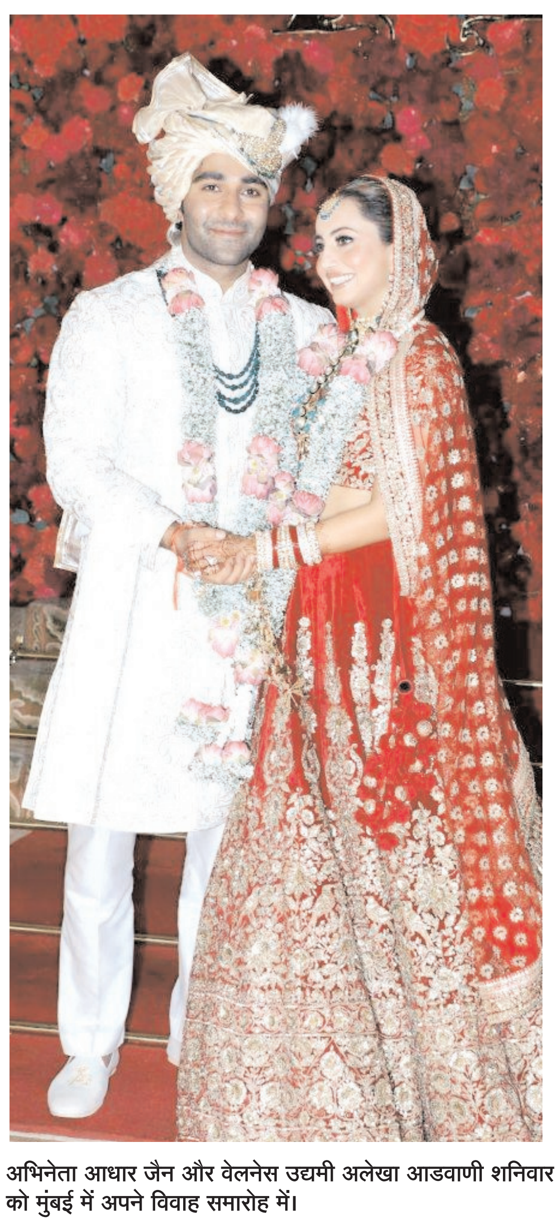

अभिनेता आधार जैन और वेलनेस उद्यमी अलेखा आडवाणी शनिवार को मुंबई में अपने विवाह समारोह में।

ऐसा नहीं है कि फिल्म उद्योग में सब कुछ निष्पक्ष है : तापसी पन्नू

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता तापसी पन्नू ने नये अभिनेताओं को सलाह देते हुए कहा कि केवल कड़ी मेहनत ही फिल्म उद्योग में सफलता की गारंटी नहीं है और उनका मानना है कि एक बहुत आम गलत धारणा यह है कि फिल्म जगत एक निष्पक्ष जगह है। शुक्रवार को एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया 2025' के दौरान 37 वर्षीय अभिनेत्री ने फिल्म उद्योग की कठोर वास्तविकताओं पर अपने विचार साझा किए। पन्नू ने कहा, आदर्शवादी बात यह है कि कड़ी मेहनत से आप वह सब कुछ हासिल कर लेंगे, लेकिन यहां (फिल्म उद्योग में) ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं है कि फिल्म उद्योग में रह चीज निष्पक्ष है। अगर आप उम्मीद करते हैं कि सब कुछ उचित और निष्पक्ष होगा तो ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा, यह अनुचित होगा। आपको बहुत सी बातें सुनने को मिलेंगी, इसलिए अपने अहंकार को किनारे रखें, अन्यथा आप निराश होंगे, साथ ही बुरी बातें सुनने के अभ्यस्त हो जाइए। यह बॉलीवुड के बारे में नहीं है। मैं उद्योग (फिल्म) का शिकार नहीं हूं। उन्होंने आकांक्षा रखने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सलाह दी कि यदि उनके प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उनके पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। पन्नू ने कहा, मेरे पास विकल्प 'बी' था। मैंने इंजीनियरिंग की थी, नौकरी की थी और मैं वह कर सकती थी। मैं एमबीए करना चाहती थी, इसलिए मैंने सभी विकल्प तैयार रखे थे। अभिनेत्री ने अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की। वर्ष 2023 में अपने लंबे समय के साथी बैडमिंटन स्टार मैथियास बो के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली पन्नू ने कहा कि उन्हें अपनी शादी के बारे में 'प्रेस विज्ञप्ति' जारी करने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, मैं उनसे बैडमिंटन कोर्ट पर मिली थी, मैं दर्शकों में थी और वह खेल रहे थे, और यह एक घरेलू लीग थी जहां मेरी उनसे मुलाकात हुई। मैंने जिस व्यक्ति से शादी की है उसे मैं दस साल से जानती थी और अब मैं उसे 11 साल से जानती हूं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

पुरुषवाक्कम स्थित श्रीलेदर्स द्वारा तमिल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मार्गझी महीने में कोलम प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया था। प्रतिभागियों को एक व्हाट्सएप नंबर के माध्यम से अपनी कलात्मक सेल्फी कोलम तस्वीरें साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था ।

ईशा महाशिवरात्रि समारोह में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार शामिल होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयंबटूर में ईशा योग केंद्र 26 फरवरी को एक शानदार महाशिवरात्रि समारोह आयोजित करने जा रहा है, जिसमें लाखों लोग गहन आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक उत्साह की एक रात के लिए एक साथ आएंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जिससे इस वर्ष का आयोजन और भी महत्वपूर्ण हो जाएगा। शुक्रवार को कोयंबटूर प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, ईशा फाउंडेशन के क्षेत्रीय समन्वयक स्वामी पारागा ने ईशा स्वयंसेवकों गणेश रवींद्रन और सरवनन के साथ मीडिया को संबोधित किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए, स्वामी पारागा ने कहा, भारत की आध्यात्मिक परंपरा में, तमिल महीने मासी की शिवरात्रि को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। इस रात, ग्रहों की स्थिति के कारण, मानव ऊर्जा स्वाभाविक रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस संभावना का लाभ उठाने के लिए, हमारी संस्कृति ने हजारों वर्षों से महाशिवरात्रि को जागरण की रात के रूप में मनाया है। उन्होंने आगे कहा, ईशा में 31वीं महाशिवरात्रि का उत्सव एक भव्य आयोजन होगा, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

यह उत्सव 26 फरवरी को शाम 6 बजे से शुरू होकर अगली सुबह 6 बजे तक प्रतिष्ठित आदियोगी प्रतिमा के सामने होगा। सद्गुरु के मार्गदर्शन में, रात शक्तिशाली ध्यान, मंत्र जाप और प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाले प्रदर्शनों से भरी होगी। इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण सद्गुरु की मध्यरात्रि महामंत्र दीक्षा होगी, जो प्रतिभागियों को गहन ध्यान की अवस्थाओं का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, सद्गुरु एक निःशुल्क ध्यान ऐप, मिरेकल ऑफ़ द माइंड का अनावरण करेंगे। सद्गुरु के साथ 7 मिनट के निर्देशित ध्यान की सुविधा वाला यह ऐप व्यक्तियों को एक दैनिक ध्यान अभ्यास स्थापित करने के लिए सशक्त बनाता है जो आसानी से उनके शेड्यूल में फिट हो सके।

उपस्थित लोगों की सुविधा के लिए पार्किंग, शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय और आपातकालीन चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की गई है। तमिलनाडु के लोगों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। इच्छुक लोग ईशा महाशिवरात्रि वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं या मुफ्त प्रवेश के साथ वॉक-इन के रूप में भाग ले सकते हैं। परंपरा के हिस्से के रूप में, महा अन्नदानम की पेशकश की जाएगी, जिससे हजारों भक्तों के लिए मुफ्त भोजन सुनिश्चित होगा। इस कार्यक्रम का भारत भर में 100 से अधिक स्थानों से सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिसमें तमिलनाडु में 50 और केरल में 25 स्थान शामिल हैं, जिसमें 22 भाषाओं में स्ट्रीमिंग उपलब्ध है। इसे 150 से अधिक टीवी चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और 100 से अधिक पीवीआर-आईएनओएक्स थिएटरों पर भी प्रसारित किया जाएगा, जबकि जियो, हॉटस्टार, जी5 और प्रमुख एफएम रेडियो स्टेशन लाइव कवरेज करेंगे। रात भर ऊर्जा को उच्च बनाए रखने के लिए, लाइव संगीत प्रदर्शनों में लोकप्रिय तमिल गायक सत्य प्रकाश, मुक्तिदान गढ़वी, एक गुजराती लोक गायक; और कैसंड्रा मॅई, एक जर्मन कलाकार जो भारतीय भक्ति गीतों के लिए जाने जाते हैं।

28वें महावीर पुरस्कारों की घोषणा, समाजसेवा के नायकों को सम्मान

चेन्नई। भगवान महावीर फाउन्डेशन द्वारा उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रतिष्ठित महावीर पुरस्कार विजेयताओं की घोषणा कर दी गई है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार अहिंसा, शाकाहार, शिक्षा, चिकित्सा, तथा सामुदायिक एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को प्रदान किया जाता है।

इस वर्ष 324 नामांकनों में से 4 विजेताओं का चयन किया गया। प्रत्येक को पुरस्कार में 10 लाख रुपए नकद राशि, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

जोधपुर में स्वामी कुशालगिरिजी के नेतृत्व में संचालित श्रीकृष्ण गोपाल गौ सेवा समिति, आदिवासी क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य में योगदान देने वाली ओड़िसा की सुश्री विद्या दास, तमिलनाडु के नीलगिरी में आदिवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए स्थापित एसोएिशन फॉर हेल्थ वेलफेयर इन द नीलगिरीज (तमिलानाडु) और गुवाहटी और गोलपारा में मानसिक स्वास्थ्य पुर्नवास संस्था 'आशादीप' को पुरस्कार के लिए चुना गया है।

चयन प्रक्रिया में बेंगलूरु में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एमएन वेंकटचलैया की अध्यक्षता में 20 फरवरी को निर्णय लिया गया। चयन समिति में तुगलक पत्रिका के संपादक एस गुरुमूर्ति, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएस कृष्णमूर्ति, सेबी के पूर्व अध्यक्ष डीआर मेहता,सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जीएस सिंघवी, पूर्व केन्द्रीय सचिव प्रभात कुमार शामिल रहे। फाउन्डेशन द्वारा अबतक 96 पुरस्कार विजेताओं को समाज सेवा में योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

सेल्फी कोलम प्रतियोगिता में विजेता पुरस्कृत हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाक्कम स्थित श्रीलेदर्स द्वारा तमिल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मार्गझी महीने में कोलम प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया था। प्रतिभागियों को एक व्हाट्सएप नंबर के माध्यम से अपनी कलात्मक सेल्फी कोलम तस्वीरें साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था । जिसका परिणाम हाल में घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता में दो हजार से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी। सभी प्रविष्टियों की बारीकी से परख के बाद सर्वश्रेष्ठ पचास प्रतिभागियों को चुना गया। तत्पश्चात सभी विजेताओं को गिफ्ट हैम्पर देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कल्याणमलाई की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मीरा नागराजन ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीलेदर्स के पार्टनर्स सुशांतो डे तथा पुजारिनि डे उपस्थित थे।

दिव्यांगों के लिए जॉब फेयर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई के टीनगर के रोटरीक्लब ऑफ मद्रास टीनगर और वी-शेष एवं डीजी वैष्णव कॉलेज के स्पेशल नीड्स इक्वल अपॉर्च्युनिटी सेल के सहयोग से दिव्यांगजनों के लिए मेगा जॉब फेयर का आयोजन 22 फरवरी वैष्णव कॉलेज परिसर में किया गया। इस मेगा जॉब फेयर में 400 से अधिक जॉब खोजने वाले उम्मीदवार और 33 प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट कंपनियों की भागीदारी रही, जिससे यह शहर का सबसे बड़ा समावेशी रोजगार कार्यक्रम बना। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि आईपीएस अधिकारी आर शेखर ने क्लब के कार्यों की सराहना की। आयोजन को दिव्यांगों के लिए सराहनीय पहल बताया। विशिष्ट अतिथि वैष्ण कॉलेज के सचिव अशोक जे. मुंधड़ा, सचिव एवं रोटरी जिला 3233 के गवर्नर महावीर बोथरा ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। क्लब के अध्यक्ष नरेन्द्र श्रीश्रीमाल ने सफलता के लिए सभी कॉर्पोरेट साझेदारों, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और दिव्यांगजनों के लिए रोजगार के अधिक अवसर सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

गारोदिया विद्यालय में किंडरगार्टन दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय ने किंडरगार्टन दीक्षांत समारोह बहुत ही धूमधाम से मनाया। नेशनल बॉयज एण्ड गर्ल्स एजुकेशन सोसाइटी मायलापुर में समन्वयक मान्टेसरी शिक्षाविद श्रीमती उमावेंकट मुख्यअतिथि थीं।कार्यक्रम की शुरुआत कुथुविल्लकु दीप को प्रज्वलित करके की गई। इस अवसर पर शैक्षणिक निदेशक जी. विजयकुमार भी उपस्थित थे। प्रिंसिपल एम. उमा ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। युवा स्नातकों ने गर्व के साथ भाग लिया, जो उनकी शैक्षणिक यात्रा के अगले चरण में उनके संक्रमण को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिसमें उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया गया। प्री केजी माँ और शिशुओं द्वारा एक विशेष नृत्य ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। एलकेजी नृत्य देखने लायक था। मुख्य अतिथि ने नन्हे-मुन्ने बच्चों को उपाधियाँ प्रदान कीं।

मंदबुद्धि बालकों को आशीर्वाद देने पहुंचे जैनाचार्य विमलसागरसूरी म.सा.

'कर्म किसी के साथ पक्षपात या भेदभाव नहीं करता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि किसी की भी कमज़ोरी या उसके अभाव को देखकर उसका मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिये, बल्कि उससे प्रेरणा लेनी चाहिये। जैनदर्शन का कर्मवाद का सिद्धांत कहता है कि जो हमने भूतकाल में किया होता है, वह कभी न कभी भुगतना पड़ता है। बिना भुगतान के कोई बच नहीं सकता। संसार में भांति-भांति के लोग देखने को मिलते हैं। कोई विकलांग है, कोई मंदबुद्धि के हैं, कोई बीमार हैं तो कोई गरीब। ये सब भूतकाल में अपनी आत्मा द्वारा किये गये गलत कार्यों का दुष्परिणाम है। हर एक को अपने किये की सजा भुगतनी पड़ती है। जैनदर्शन का संदेश है कि हिंसक विचारधारा मनुष्य को बीमार और दुःखी बनाती है। ज्ञान तथा बुद्धि का दुरुपयोग मनुष्य को अज्ञानी, मूर्ख या मंदबुद्धि का बनाता है। धन का किया गया गलत इस्तेमाल अथवा दूसरों की जिंदगी में खड़े किये गये अवरोध मनुष्य को गरीब बनाते हैं।

शिवमोग्गा, भद्रावती, होसदुर्गा, हिरियूर की पदयात्रा के दौरान जैनाचार्य आशा किरण केंद्र में मंदबुद्धि के बालकों को विशेषरूप से मिलने व उन्हें आशीर्वाद देने पधारे। इस दौरान गणि पद्मविमलसागर व अन्य संतजन भी उनके साथ थे।

शिवमोग्गा के आदिनाथ जैन सेवा मंडल के युवाओं ने मंदबुद्धि के बालकों में खुशियों को बांटने का यह अनूठा आयोजन किया था। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर अत्यंत प्यार और आत्मीयता से मंदबुद्धि के बालकों से मिले। उन्होंने एक-एक बालक को स्पर्श कर आशीर्वाद दिया। बालकों के विकास और भलाई के लिये सभी संतों ने सामूहिक प्रार्थना की। आदिनाथ जैन सेवा मंडल की ओर से बालकों को मिठाई तथा फल वितरित किये गये। इस अवसर पर जैनाचार्य की प्रेरणा से अनेक श्राद्धालुओं ने बालकों की परवरिश के लिये अनेक दिन के खर्च का अनुदान दिया।

जैनाचार्य ने कहा कि मंदबुद्धि के बालकों की विकलताओं को देखकर हम सभी को शिक्षा लेनी चाहिये। जिंदगी के सभी दिन उजाले और सुख के नहीं होते। किसी भी घर में कोई विकलांग पैदा हो सकता है। किसी मंदबुद्धि, बीमार या गरीब को देखकर कभी उनका तिरस्कार न करें। ये सब किये हुए कर्मों की क्रूर सजा भुगत रहे हैं। उनके प्रति दयालु रहें और संकल्प लें कि हम अपने जीवन में गलत कार्य करने से बचें।

जो अच्छे कार्य करते हैं, वे सौभाग्यशाली होते हैं। उनको स्वस्थ शरीर, अच्छा परिवार, कुशाग्र बुद्धि, संपत्ति और सुख मिलता है। उनका सही मार्ग पर विनियोग कर अपने भविष्य को उज्ज्वल और सुखद बनाना चाहिये। कर्म की गति न्यारी है। कर्म किसी के साथ पक्षपात या भेदभाव नहीं करते। इतिहास साक्षी है कि महापुरुषों को भी कड़े संघर्ष से गुजरना पड़ा।

स्पेक्ट्रोस्कोपी, सामग्री और अवलोकन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज के भौतिकी स्नातकोत्तर विभाग ने 20 फरवरी को स्पेक्ट्रोस्कोपी, सामग्री और अवलोकन विज्ञान (आईसीओएसएमओएस-2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। भारतीय स्पेक्ट्रोफिजिक्स एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस अंतःविषय सम्मेलन नवीन विचारों और समाधानों पर चर्चा करने के लिए प्रमुख शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा। इसका उद्देश्य शोधकर्ताओं को उनके अनुसंधान क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करके अच्छा प्रदर्शन प्रदान करना और प्रस्तावित विषय क्षेत्रों में अपने शोध निष्कर्षों को प्रस्तुत करना और एक नेटवर्क बनाना है। यह तकनीकी वैज्ञानिक पेशेवरों का एक पूल था, जिसमें लगभग 180 छात्रों, 20 शोध विद्वानों और 50 संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। हमने इस सम्मेलन के लिए एक आईएसबीएन नंबर के साथ कार्यवाही पुस्तक मुद्रित की और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के सम्मान में पत्रिका जारी की।

सम्मेलन की शुरुआत एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. एस. गुणसेकरन द्वारा एक प्रभावी उद्घाटन भाषण के साथ हुई, जिसमें प्रकाश के महान दिग्गज सर सी.वी. रमन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे शेष कार्यक्रम के लिए एक स्वर स्थापित हुआ। डॉ. भावना लालचंद द्वारा प्रारंभिक प्रस्तुति, जिन्होंने स्टार-फॉर्मिंग क्षेत्रों में ब्राउन ड्वार्फ के गठन पर एक परिप्रेक्ष्य पर चर्चा की, खगोल भौतिकी पर नए दृष्टिकोण पेश किए। अन्य उल्लेखनीय सत्रों में डॉ. जाननी पी द्वारा थायराइड के निदान और थायराइड के उपचार पर चर्चा शामिल थी, जिनकी प्रस्तुति ने नैनोमेडिसिन और आयुर्वेदिक दवा फॉर्मूलेशन दोनों में नए विकास का नेतृत्व किया, जिससे थायराइड से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के लिए अधिक प्रभावी उपचार प्रदान किए गए। एक अन्य सत्र डॉ. एस. श्रीनिवासन द्वारा सौर कोशिकाओं के बारे में था, सर ने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के बारे में बढ़ती जागरूकता के बारे में विचार प्रदान किए। मौखिक या पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए विषयों की एक श्रृंखला में सार प्रस्तुतियाँ, जिसका उद्देश्य अनुसंधान परिणामों को प्रदर्शित करना, अनुशंसित विषय क्षेत्रों में एक नेटवर्क बनाना और शोधकर्ताओं को उनके विषयों में अन्य छात्रों और विशेषज्ञों के साथ संपर्क के माध्यम से सकारात्मक प्रचार प्रदान करना था। सफल प्रस्तुतियों, व्यावहारिक चर्चाओं और मूल्यवान नेटवर्किंग के साथ, स्पेक्ट्रोस्कोपी, सामग्री और अवलोकन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सामग्री विज्ञान, नैनोमैटेरियल्स, बायो-मैटेरियल्स, ऊर्जा भंडारण सामग्री, कम्प्यूटेशनल विधियों और खगोल भौतिकी में पेशेवरों के लिए एक आवश्यक सभा साबित हुई है।

श्रीसंघ को अंजनशलाका महोत्सव आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

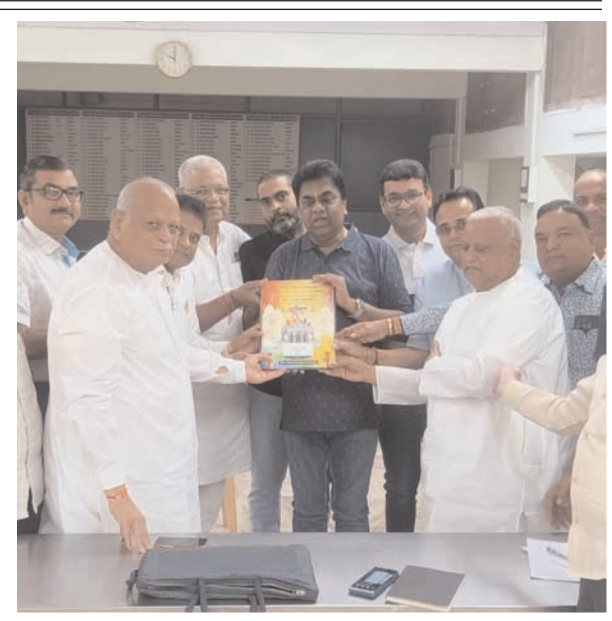

बेंगलूरु। यहां शंकरपुरम में आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट के तत्वावधान में केसरिया आदिनाथ जिनालय की अंजनशलाका प्रतिष्ठा निमित्त नव्हाणिका सह पंचकल्याणक महामहोत्सव 9 से 17 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाएगा।

आचार्यश्री रत्नाकर सूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यश्री रत्नसंचय सूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में होने वाले इस समारोह के लिए प्रतिष्ठा आमंत्रण पत्रिका, बैनर, तारण, आमंत्रण पत्र आदि श्री महावीर स्वामी वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट में सकल श्रीसंघ को भावभरा आमंत्रण दिया गया।

कैलाश संखलेचा के बताया कि आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम का ट्रस्ट मंडल के पारस भंडारी, रमेश कोठारी, महेंद्र छाजेड़ एवं श्री अखिल भारतीय मूर्तिपूजक युवक महासंघ बेंगलूरु शाखा के सदस्यगणों ने महावीर स्वामी वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों को आमंत्रण पत्र दिया।

इस मौके पर चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता, उपाध्यक्ष सुरेंद्र रांका एवं गौतम मुथा, सहमंत्री महावीर श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष गजेंद्र चांदावत, सहकोषाध्यक्ष नरेश बांठिया, ट्रस्टी महेंद्र छाजेड़, प्रवीण पोरवाल, गौतम पोरवाल, गौतम जीरावला, उत्तम सालेचा, विनोदकरण संचेती, धनपत मेहता एवं जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रकुमार रांका आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.